हरिभूमि

रायपुर भूमि

टंकियां बिगाड़ रहीं सेहत, पानी का टीडीएस पहुंचा 400 तक, रंग ही नहीं स्वाद भी बदला

ललित राठौड़ ⏭ रायपुर

नगर निगम द्वारा वार्डों में स्थापित पानी टंकियों में पीने के पानी की गुणवत्ता बिगड़ चुकी है। पानी में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम जैसे मिनरल्स की मात्रा अधिक हो चुकी है, जिसका लंबे समय तक सेवन करने से अब लोगों की सेहत पर भी इसका असर पड़ने लगा है। हरिभूमि टीम ने रविवार को शहर के कई वार्डों में स्थित टंकियों के पानी की जांच की, जिसमें पानी का कुल घुलित ठोस (टीडीएस) स्तर 350 से 400 मिलीग्राम प्रति लीटर तक पाया गया। यह स्तर भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित 500 मिलीग्राम प्रति लीटर की अधिकतम सीमा के भीतर है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक ऐसे पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

हरिभूमि लाइव

पड़ताल में पता चला कि वार्डों में उच्च टीडीएस स्तर वाले पानी का सेवन करने से बाल झड़ना, पेटदर्द, दस्त और गुर्दे की पथरी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा पानी का स्वाद भी नमकीन और फीका हो गया है, जिससे लोगों को इसे पीने में असुविधा हो रही है। बता दें कि शहर के विभिन्न वार्डों में 80 से अधिक जल टंकियां स्थापित हैं, जिनमें से अधिकांश की सफाई पिछले दो वर्षों से नहीं की गई है। इन टंकियों में भारी गंदगी और काई जमा हो गई है, जिससे पानी का रंग भी बदल गया है। टीडीएस मात्रा अधिक होने के पीछे यह भी कारण है। लोगों को पानी को पीने योग्य बनाने के लिए एक घंटे तक उबालना पड़ रहा है। जल विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत शर्मा का कहना है कि उच्च टीडीएस स्तर वाले पानी में आवश्यक खनिज की अधिकता से किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे गुर्दे भी प्रभावित हो सकते हैं।

टंकियों के ढक्कन गायब

राजधानी के कई वार्डों में लगीं पानी टंकियों से ढक्कन गायब हैं, जिससे गंदगी सीधे पानी में मिल रही है। खुले ढक्कन वाली इन टंकियों में धूल, कचरा, कीड़े और अन्य गंदगी आसानी से पहुंच रही है। स्थानीय लोग इसी दूषित पानी का इस्तेमाल पीने और खाना बनाने के लिए कर रहे हैं। हैरानी की बात ये है कि नगर निगम ने अब तक इन टंकियों की न तो जांच कराई है और न ही सफाई की कोई व्यवस्था की गई है। इससे टंकियों की हालत बदतर होती जा रही है। स्थिति यह है कि लोग अपनी सेहत से समझौता कर मजबूरी में गंदा पानी पीने को विवश हैं।

पानी में मिनरल्स की मात्रा अधिक

नगर निगम की टंकियों का पानी अब लोगों की सेहत पर असर डालने लगा है। पहले जिन टंकियों से लोग सीधे पीने के लिए पानी भरते थे, वहीं अब उन्हीं टंकियों के पानी में मिनरल्स की मात्रा जरूरत से ज्यादा पाई जा रही है। हरिभूमि की जांच में वार्ड-56 में पानी का टीडीएस स्तर 325, प्रियदर्शनी नगर में 350 और कृष्णा नगर में 389 तक दर्ज किया गया। कृष्णा नगर के वार्ड में टंकियों के पानी में मैग्नीशियम, पोटैशियम खनिज की मात्रा सबसे ज्यादा पाई गई। इन टंकियों से प्रतिदिन 100 से अधिक लोग पानी भरते हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि टंकी का पानी खारा, नमकीन हो गया है, जिससे उसका स्वाद बिगड़ गया है। कई लोगों ने इसे पीना बंद कर दिया है, लेकिन विकल्प के अभाव में अधिकतर लोग अब भी यही पानी पीने को मजबूर हैं।

केस 1 कृष्णा नगर

दो साल से सफाई नहीं होने से टंकी के निचले हिस्से में गंदगी जम गई है। दूषित पानी साफ करने के लिए वार्डवासियों को इसे रोजाना एक घंटे तक उबालना पड़ रहा है। निगम ने टंकी स्थापित करने के बाद अभी तक सफाई नहीं की है। पानी का टीडीएस 390 से 450 तक पहुंच रहा है, जो सेहत बिगाड़ सकता है।

केस 2 वार्ड 56

वार्ड की पानी टंकी से 100 से अधिक लोग पानी पीते हैं। लोगों ने बताया कि टंकी सफाई सालभर ने नहीं हुई है। छोटी टंकियों में भारी मात्रा में काई जमी हुई मिली। पानी का टीडीएस 325 से 355 तक दर्ज किया गया। यहां पानी का स्वाद अधिक टीडीएस होने से बदल गया है।

केस 3 वल्लभनगर

यहां टंकियों की सफाई दो साल से नहीं हुई है। टंकी के भीतर काई जमी हुई है। वार्ड में 60 से अधिक परिवारों के सदस्य दूषित पानी पी रहे हैं। पानी का टीडीएस 321 से 350 तक दर्ज किया गया। पानी में खनिज की मात्रा अधिक है।

केस 4 छत्तीसगढ़ नगर

निगम ने तीन से अधिक टंकियां यहां स्थापित की हैं। सभी टंकियों में गंदगी देखने को मिली। दूषित पानी से लोगों की सेहत बिगड़ रही है। पानी का टीडीएस 350 से 400 तक पहुंच रहा है।

हरिभूमि टीम ने मोहल्लों की टंकियों में झांका, टीडीएस की जांच, विशेषज्ञ बोले- लंबे समय तक सेवन से बीमारी

- सालभर से वार्डों में स्थित छोटी टंकियों की नहीं हुई सफाई, खानपान में इस्तेमाल करते हैं यही पानी
- सफाई नहीं होने से टंकी के पानी में मिनरल्स की मात्रा हर साल बढ़ती जा रही है

खबर संक्षेप

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 57 लाख की ठगी

रायपुर। पुरानी बस्ती थाने में एक व्यक्ति ने एक युवती तथा एक युवक के खिलाफ शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 57 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भाठागांव निवासी हरीश सालुंखे ने दिव्या भट्ट तथा रोहित शर्मा के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। हरीश ने पुलिस को बताया कि दो माह पूर्व दिव्या ने उसे वाट्स एप ग्रुप में एड कर शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर ठगी की है।

आपसी रंजिश के चलते युवक से मारपीट

रायपुर। मंदिर हसौद थाने में एक युवक ने दो युवकों तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ आपसी रंजिश के चलते मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुरुद निवासी मनहरण साहू ने ईश्वर, दुर्गेश तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। मनहरण ने पुलिस को बताया कि आपसी रंजिश के चलते ईश्वर तथा उसके साथियों ने रास्ते में रोककर उसके साथ मारपीट की है।

150 की रफ्तार में भाग रही कार पोल से भिड़ी, युवक की मौत, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पोल से टकराने के बाद कार में लगी आग, 30 फीट दूर जा गिरा इंजन

नवा रायपुर सेक्टर-17 में शनिवार देर रात दो सौ की स्पीड से दौड़ रही एक कार पोल से टकरा गई, जिससे पर मौके पर कार सवार एक युवक की मौत हो गई तथा दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पोल में कार टकराने की घटना मंदिर हसौद थाना क्षेत्र की है। पोल में टकराने से कार में आग लग गई और कार का इंजन निकलकर करीब 30 फीट दूर जा गिरा।

- दोस्त की कार लेकर मैगी खाने जा रहे थे एयरपोर्ट

पुलिस के मुताबिक, मृतक गौतम सतवानी अपने दो अन्य साथी प्रियांशु तथा अविराज के साथ एयरपोर्ट स्थित मैगी पाइंट में मैगी खाने जा रहे थे। इसी दौरान तीनों हादसे का शिकार हो गए। पुलिस के अनुसार कार गौतम चला रहा था। एक्सीडेंट में दो अन्य बुरी तरह ⏭शेष पेज 13 पर

दोस्त से मांग कर ले गए थे कार

पुलिस के अनुसार, गौतम अपने किसी अन्य चौथे साथी से कार मांग कर ले गया था। चौथा साथी देर रात होने की वजह से जाने से इंकार कर दिया। इस वजह से गौतम के साथ प्रियांशु तथा उसका एक अन्य साथी चलने के लिए राजी हुए। देर रात सड़क खाली होने तथा चौड़ी होने की वजह से गौतम तय लिमिट से ज्यादा स्पीड में कार चलाने लगा, इस वजह से पुलिस ने एक्सीडेंट होने की आशंका व्यक्त की है।

उछलकर कार पोल से टकराई

एक्सीडेंट के बाद जांच के लिए मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल की तो पाया कि कार 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से भाग रही थी। घटनास्थल के पास बने डिवाइडर पर कार के चक्के के निशान मिले हैं। एएसपी नवा रायपुर विवेक शुक्ला के अनुसार, कार चला रहे ⏭शेष पेज 13 पर

इधर, दो की मौत : धरसींवा थाना क्षेत्र में रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर बस के टक्कर से कमलेश मोहरे और रामप्रसाद ध्रुव की मौत हो गई। मृतक कमलेश के भाई संतोष ने पुलिस को बताया कि देवरी बायपास के समीप कमलेश और रामप्रसाद सड़क पार कर रहे थे, इस दौरान तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में दोनों के सिर और शरीर में कई जगह चोटें आईं और उनकी मौके पर मौत हो गई।

एनसीईआरटी किताबों से कई गुना महंगी हैं प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबें

6 जिलों में निजी स्कूलों को आदेश-एनसीईआरटी किताबों का ही करें प्रयोग, अन्यथा मान्यता समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निजी स्कूल विरोध में उतरे, कहा- यह गलत, किताबें भी सहज उपलब्ध नहीं

प्रदेश के 6 जिलों के निजी स्कूलों के लिए आदेश जारी करते हुए उन्हें केवल एनसीईआरटी किताबों का ही प्रयोग करने कहा गया है। इसमें स्पष्ट किया है कि स्कूलों द्वारा निजी प्रकाशकों की किताबों से पढ़ाई कराए जाने की स्थिति में मान्यता अवरुद्ध किए जाने से लेकर अन्य तरह की कार्रवाई की जाएगी। निजी ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि फॉलोअप

गुणवत्ता के लिए जरूरी

निजी स्कूल संघ इसके विरोध में उतर गया है। इसके लिए उन्होंने विभिन्न स्तर पर पत्राचार कर अपना विरोध दर्ज कराया है। संघ के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने कहा, ऐसी बहुत सी किताबें हैं जो अशासकीय विद्यालय अपने स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अध्ययन कराते ⏭शेष पेज 13 पर

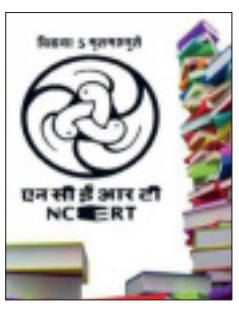

दस गुना तक अधिक कीमतें

बाजार में एनसीईआरटी की किताबें अत्यंत कम दर पर उपलब्ध है। नर्सरी कक्षाओं की संपूर्ण किताबें जहां सिर्फ 200 रुपए में ही आ जाती हैं तो वहीं बड़ी कक्षाओं की किताबों का भी बिल 700 रुपए से अधिक नहीं पहुंचता है। इसके उलट प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबों के लिए छोटी कक्षाओं में 2 हजार तथा बड़ी कक्षाओं में 5 हजार तक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। गौरतलब है कि नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के साथ ही हरिभूमि ने पालकों की इस समस्या को प्रमुखता के साथ सामने रखा था। निजी प्रकाशकों से मिलने वाले कमीशन के कारण स्कूल अपने छात्रों पर अनावश्यक किताबें खरीदने के लिए बोझ डालते हैं।

खबर संक्षेप

राधाकृष्ण मंदिर आरंग में पूजा-आरती आज

आरंग। राधाकृष्ण मंदिर आरंग में 12 मई को श्री राधारमण लाल के 483वें प्रकट्य उत्सव के पावन अवसर पर श्री राधाकृष्ण सखा मंडली द्वारा प्रथम बार इस वर्ष भीषण ग्रीष्म काल में श्री ठाकुर जी एवं राधारानी जी को शीतलता प्रदान करने के लिए चन्दन सेवा अपरान्ह 12 बजे से की जाएगी। इस अवसर पर भगवान विग्रहों में चन्दन लेप, दुग्ध स्नान, भव्य आरती पूजा एवं प्रसादी वितरण किया जाना है। सखा मंडली और मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ लेने का आग्रह किया है।

भारत वर्मा बने यूनियन ट्रेड काउंसिल के अध्यक्ष

तिल्दा-नेवरा। भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिल के

नव नियुक्त तिल्दा ब्लॉक अध्यक्ष भारत वर्मा के बनने पर मजदूर एवं किसानों में खुशी की लहर है। वर्मा किसान का बेटा है एवं खुद कृषि का कार्य करता है ज्ञात हो कि भारत वर्मा को भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिल छत्तीसगढ़ के सचिव ब्रजेश कुमार पांडे ने ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया है। भारत वर्मा ने कहा है कि मुझे बहुत बड़ा दायित्व मिला है, मैं मजदूर साथियों व युवा बेरोजगारों के हमेशा साथ रहूंगा। किसी भी मजदूर साथियों एवं पढ़े-लिखे बेरोजगार साथियों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। वर्मा ने इस नियुक्ति पर भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिल छत्तीसगढ़ इकाई के समस्त पदाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य है, कि मजदूरों की रक्षा करते हुए उनके हितों की लड़ाई लड़ना अधिकारों की रक्षा करना व न्याय और समानता दिलाना हमारा उद्देश्य है।

नेशनल लोक अदालत में 193 मामलों का निपटारा

तिल्दा नेवरा। तिल्दा-नेवरा में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेशानुसार तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायपुर के अध्यक्ष जिला न्यायाधीश, रायपुर के निर्देशानुसार शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह लोक अदालत व्यवहार न्यायालय तिल्दा में न्यायाधीश भावेश कुमार वट्टी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के लंबित प्रकरणों का त्वरित और सरल समाधान किया गया। उक्त लोक अदालत में 562 प्रकरण रखे गए जिनमें दांडिक एवं परिवाद निराकरण 6, ट्रैफिक चालान 166, समरी निराकरण 12, एवं बैंक संबंधित निराकरण 6, इस तरह 193 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

निधन

भागीरथी लाल यादव

आरंग। आरंग निवासी भागीरथी लाल यादव उम्र 75 वर्ष का आकस्मिक निधन हो गया। उनका

अंतिम संस्कार मुक्तिधाम नया तालाब में किया गया। वे मंगलमूर्ति यादव, गोवर्धन यादव, अमित यादव, सूर्या यादव, गोपाल यादव के पिता थे।

4000 से अधिक स्कूल मर्ज किए जाएंगे

शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण 15 से स्कूल मर्ज हो रहे, फिर गुरुओं की बारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग ने युक्तियुक्तकरण के तहत प्रदेश के उन स्कूलों को मर्ज करने का आदेश जारी किया है, जहां शिक्षकों की कमी है और छात्रों की संख्या राष्ट्रीय मानकों से कम है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों का युक्तियुक्तकरण 7 मई से प्रारंभ कर दिया गया है। शिक्षकों का 15 मई से शुरू किया जाएगा। विभाग ने सभी जिलों से मिले आंकड़ों के आधार पर इसकी कार्यवाही शुरू कर दी है।

शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में प्रदेश के 5,484 स्कूल ऐसे हैं जहां सिर्फ एक ही शिक्षक कार्यरत है, जबकि 297 स्कूलों में कोई भी शिक्षक नहीं है। वहीं शहरी क्षेत्रों में 7305 शिक्षक अतिशेष संख्या में पदस्थ हैं, इस असंतुलन को दूर करने और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है। प्रक्रिया के तहत 4000 से अधिक स्कूलों को मर्ज किया जा सकता है। वर्तमान में शिक्षक विहीन स्कूलों में आसपास के स्कूलों के शिक्षकों को अटैच किया गया है।

खास खबर

नई पहल से शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी स्कूलों में छात्रों के लिए पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर किया जा सके। स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से सभी क्षेत्रों में एक समान संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

पदस्थापना के लिए तीन स्तरीय समिति का गठन

- प्रदेश के 5,484 स्कूल ऐसे हैं जहां सिर्फ एक ही शिक्षक कार्यरत जबकि 297 स्कूलों में कोई भी शिक्षक नहीं

अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन

विकासखंड स्तरीय समिति एक ही परिसर में स्थित दो या दो से अधिक प्रायमरी और पूर्व माध्यमिक स्कूलों की दर्ज संख्या एवं कार्यरत शिक्षकों की स्कूल में पदस्थापना तिथि के आधार पर अतिशेष शिक्षकों की जानकारी लेकर सूची तैयार करेगी। साथ ही समिति पास के कम दर्ज संख्या वाले स्कूलों के अतिशेष शिक्षकों की सूची तैयार करेगी। विकासखंड समिति दर्ज संख्या के अनुपात में रिक्त पदों की स्कूलवार और विषयवार सूची तैयार करेगी। तैयार सूची के आधार पर जिला स्तरीय समिति अतिशेष शिक्षकों का रिक्त पदों पर काउंसिलिंग के माध्यम से पदस्थापना करेगी। ई-संवर्ग के अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना ई-संवर्ग के स्कूलों में तथा टी-संवर्ग के शिक्षकों की पदस्थापना टी-संवर्ग के स्कूलों में की जाएगी।

ऐसे होगा शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण

पहले चरण में स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किए जाने के बाद अतिशेष शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। युक्तियुक्तकरण स्कूलों से पृथक अन्य स्कूल, जहां दर्ज संख्या के अनुपात में अतिशेष शिक्षक कार्यरत हैं, उनका युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में एक विषय के लिए स्वीकृत पद के विरुद्ध एक से अधिक कार्यरत व्याख्याता में से अतिशेष का युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि किसी हाईस्कूल या हायर सेकेंडरी स्कूल में अतिथि शिक्षक पदस्थ है तो नियमित व्याख्याता को अतिशेष की श्रेणी में रखा जाएगा।

ऐसे की जाएगी पदस्थापना

जिला स्तर पर पदस्थापना के बाद रिक्त स्थान न होने के कारण कुछ अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना शेष रहती है तो इनकी सूची जिला समिति द्वारा संभागीय संयुक्त संचालक को भेजी जाएगी। संभागीय संयुक्त संचालक द्वारा इसका परीक्षण कर काउंसिलिंग के माध्यम से पदस्थापना की जाएगी। सहायक शिक्षक का पद जिला कैडर का है। अतः इनकी पदस्थापना जिले से बाहर नहीं की जाएगी। इसी तरह शिक्षक पद संभाग कैडर का है। अतः इनकी पदस्थापना संभाग से बाहर नहीं की जाएगी। अतिशेष व्याख्याता जिनका समायोजन जिला एवं संभाग पर नहीं हो पा रहा है तो उसकी सूची संभाग संयुक्त संचालक आगे संचालक लोक शिक्षण संचालनालय को भेजेगा।

रायखेड़ा सेजेस स्कूल में पहली में 50 बच्चों का लॉटरी से चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा-नेवरा

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रायखेड़ा में नए सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए लॉटरी निकाली गई। शासन के निर्देशानुसार ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से आवेदन प्राप्त हुआ। शासन द्वारा निर्देश अनुसार लॉटरी की प्रक्रिया 6 से 10 मई के बीच में होना था जो की 10 मई को शाला प्रांगण में संपन्न हुआ। जिसमें कक्षा पहली में 50 व कक्षा तीसरी में 1 सीट के विरुद्ध लॉटरी निकाली गई बाकी सभी कक्षाओं में कम आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में उन्हें सीधा प्रवेश दिया गया। लॉटरी में निष्पक्षता को देखते हुए जिला कार्यालय द्वारा प्रतिनिधि के रूप में केएल टोप्पो प्राचार्य स्वामी आत्मानंद विद्यालय गनियारी को अधिकारी के तौर पर नियुक्त गया था। साथ ही संकुल केंद्र रायखेड़ा के प्रभारी प्राचार्य जीके वर्मा, सरपंच दिनेश वर्मा, उपसरपंच भोजराम धीवर, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि व पूर्व जनपद सदस्य संतोष कुर्रे, शाला विकास समिति के सदस्य मारुति नंदन वर्मा, जनक राम वर्मा, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक प्रतिनिधि टीपी नायक आदि उपस्थित थे। लॉटरी प्रक्रिया की शुरुआत में सभी अतिथियों का गुलाल से स्वागत किया गया तथा जिला कार्यालय द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि द्वारा उद्बोधन प्राप्त कर लॉटरी प्रक्रिया आरंभ की गई।

विद्यालय द्वारा लॉटरी व प्रवेश प्रभारी का दायित्व निर्मला यादव, प्रखर दिक्षित को सौंपा गया था साथ ही संचालन का कार्य नितिन अग्रवाल द्वारा किया गया। लॉटरी प्रक्रिया में सभी शिक्षकों ने अपना सहयोग दिया जिसमें मुख्य रूप से प्रतिभा चंद्रवंशी, बाबूलाल बंजारे, अभिनेश्वर सिंह, ऐश्वर्या वर्मा, तनु अग्रवाल, अंजलि मीरानी, प्रेक्षा साहू, रूपेश कुमार धीवर उपस्थित थे।

राइस मिलर्स एसोसिएशन के नए अध्यक्ष बने बोथरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा बनाए गए हैं। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा, महामंत्री विष्णु बिंदल, कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास , स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी के प्रति आभार जताया है। एसोसिएशन की बैठक में सर्वसम्मति से श्री बोथरा को अध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह की उपस्थिति में अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों का मनोनयन हुआ। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन की बैठक में विचार-विमर्श के बाद छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स समन्वय समिति सदस्य प्रीतेश गांधी ने प्रदेश छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कांतिलाल बोथरा, महामंत्री पद के लिए विष्णु बिंदल और कोषाध्यक्ष पद के लिए रमेश अग्रवाल के नाम की घोषणा की।

खौली स्कूल की वैष्णवी दसवीं कक्षा में प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामलाल चन्द्राकर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ख़ौली के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा 10वीं की छात्रा वैष्णवी साहू ने 94.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला व तृप्ति चन्द्राकर 93.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं कक्षा 12वीं की छात्रा साम्य चन्द्राकर ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, वही कस्वाति सोनवानी 89.8 प्रतिशत अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण और अभिभावकों में इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर हर्ष की लहर है। वैष्णवी साहू और तृप्ति चन्द्राकर 10 वी की छात्रा हैं। साम्य चन्द्राकर व स्वाति सोनवानी 12वीछात्रा हैं। अपने मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास ने साबित कर दिया कि कठिन परिश्रम का फल अवश्य मिलता है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुनीता वर्मा ने 10वी व 12वी की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय में पहले व दूसरे स्थान हासिल करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे विद्यालय की बेटियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं भी किसी से कम नहीं हैं। हम गर्व महसूस करते हैं कि वैष्णवी, तृप्ति, साम्य व स्वाति जैसे मेधावी छात्राएं हमारे विद्यालय का हिस्सा हैं। विद्यालय के इस शानदार परिणाम इन छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बड़गांव स्कूल की गीता दसवीं कक्षा में प्रथम

आरंग। जनपद पंचायत आरंग के तहत शासकीय हाई स्कूल बड़गांव में इस वर्ष 10वीं बोर्ड परीक्षा में विद्यालय की तीन छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए स्कूल में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर कब्जा जमाया है। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व की बात है, बल्कि पूरे क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा को लेकर एक प्रेरणा बन गई है। गीता वर्मा 93.16% के साथ स्कूल में प्रथम, श्रेया वर्मा 91.5% अंक के साथ स्कूल में द्वितीय, गुंजा साहू 92.9% अंक के साथ स्कूल में तृतीय रहीं। विद्यालय के प्राचार्य एस. के. उपरडे ने कहा, यह हमारे विद्यालय के लिए गौरव का क्षण है। इन छात्राओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि परिश्रम और समर्पण से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय का उत्तीर्ण प्रतिशत भी 80.33 रहा। छात्राओ के शानदार सफलता पर व्याख्याता डीसी साहू, आंनद साहू, मनोज साहू, निधि सोनी, स्वाति लता वर्मा, संयोगिता पांडे, शाला विकास समिति के अध्यक्ष महावीर वर्मा व सदस्यों ने सफल विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना की है। इधर जनपद सदस्य रेखा कृपाल यादव ने कहा कि छात्राओं की इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय बल्कि अभिभावकों और ग्रामीणों में भी हर्ष का माहौल है।

गर्मी में पशुओं के लिए पीपला फाउंडेशन की जलदान पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

रविवार को पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के प्रतिनिधिगण ग्राम रीवा और कुकरा पहुंचकर गर्मी में पशुओं के लिए जलदान मुहिम के तहत जलपात्र रखकर ग्रामीणों से जलदान कराया। साथ ही भीषण गर्मी में अपने-अपने घरों के सामने पशुओं के लिए जलपात्र रखने की अपील की। जिससे कि घुमंतू पशुओं को गर्मी में सुलभता से जल मिल सके। ग्रामीणों ने पीपला की इस जलदान मुहिम का स्वागत करते हुए, जलपात्र रखकर जलदान किया। साथ ही अपने अपने गांव में भी जगह-जगह जानवरों के लिए जलपात्र रखने का संकल्प लिया। ग्राम रीवा के पूर्व सरपंच चंद्रप्रकाश साहू ने पीपला फाउंडेशन की इस पहल से प्रेरित होकर अपने गांव में 15 जगहों पर जलपात्र रखने का संकल्प लिया। वहीं ग्राम कुकरा में ग्रामीणो ने पीपला द्वारा चलाए जा रहे मूक पशुओं के लिए जलदान मुहीम की जमकर सराहना करते हुए जलदान किया। फाऊंडेशन के संयोजक महेन्द्र पटेल ने बताया जलदान मुहीम को ग्रामीण अंचलों में लोग खूब जमकर तारीफ हो रही हैं। गांव-गांव में लोग जल पात्र रखकर जलदान करने सहर्ष तैयार हैं। इसलिए फाउंडेशन अब इस मुहिम को आरंग के आसपास के गांवो में आगे बढ़ाने जोर दे रहें है। इस मौके पर फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, ईश्वरी प्रसाद साहू, समाजसेवी सीताराम साहू, रिखी धीवर सहित ग्राम रीवा व कुकरा के ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

बेरोजगार हो गए पांच सौ स्वास्थ्य मितान आयुष्मान का कामकाज हो रहा प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आयुष्मान कार्ड बनाने सहित विभिन्न स्वास्थ्य सहायता योजनाओं के कई तरह के कार्यों को पूरा करने वाले पांच सौ स्वास्थ्य मितान एक झटके में बेरोजगार हो गए। शासन ने बिना विकल्प दिए टेंडर खत्म कर दिया, जिससे उनका तीन माह का वेतन भी अटक गया। स्वास्थ्य मितान के हटने की वजह से सरकारी अस्पतालों में आयुष्मान संबंधित कामकाज प्रभावित हो रहा है।

- बिना विकल्प शासन ने खत्म किया टेंडर, तीन माह का वेतन भी

स्वास्थ्य मितान आयुष्मान, वय वंदना कार्ड बनाने के साथ अस्पतालों में आने वाले क्लेम वेरिफिकेशन एवं अपलोडिंग की प्रक्रिया पूरी करते थे। उन्हें हटाए जाने के बाद स्वास्थ्य केंद्रों में यह जिम्मेदारी सीएचओ, आरएचओ और एएनएम पर आ गई है, जिनके पास उनके मूल काम भी हैं। सूत्रों का कहना है कि इसकी वजह से आयुष्मान कार्ड बनाने का काम भी काफी प्रभावित होने लगा है। स्वास्थ्य मितान करीब दस सालों से स्वास्थ्य विभाग में थर्ड पार्टी कंपनियों के माध्यम से अपनी सेवा दे रहे थे। उनके कार्यों की वजह से विभाग आयुष्मान भारत योजना में राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि भी हासिल कर चुका है। बताया जाता है कि वर्तमान में काम कर रही कंपनी का टेंडर विभाग की ओर से अप्रैल माह के अंतिम में खत्म कर दिया गया। इसके पूर्व काम करने वाले स्वास्थ्य मितानों के लिए कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं किया गया। उल्टे अचानक काम खत्म होने की वजह से उनका तीन माह का वेतन भी अटक गया, जिससे इन कर्मचारियों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सांसद बृजमोहन से की जोरा में लोकल मेमू के स्टॉपेज की मांग

रायपुर। श्री साईं दर्शन आवासीय समिति साईंनगर जोरा के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को जोरा में लोकल मेमू ट्रेन का स्टॉपेज देने की मांग को लेकर सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात की। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष द्रौपदी सूर्यवंशी ने बताया कि नई राजधानी से अभनपुर और अभनपुर से भी आगे धमतरी तक पिछले दिनों शुरू हुई लोकल मेमू ट्रेन की सुविधा बढ़ेगी तो फिर सड़क मार्ग से भी सुरक्षित सभी कामकाजी लोगों के लिए जोरा स्टॉपेज का महत्व बढ़ जाएगा।

ट्रंप की सीजफायर की घोषणा को भूपेश ने बताया अपमानजनक

- ऑल पार्टी मीटिंग और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए जाने को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपमानजनक करार देते हुए कहा, देश जानना चाहता है कि ऐसी परिस्थितियां कैसे बनीं।

उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर संवाददाताओं से चर्चा में कहा, दोनों (भारत अथवा पाकिस्तान) सरकारों में से कोई एक घोषणा करती तो यह अलग बात थी, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप का निर्देश अपमानजनक है। 1971 में इंदिरा गांधी ने कहा था कि कोई भी तीसरा देश हस्तक्षेप नहीं करेगा। आज हमारी स्थिति यह है कि ट्रंप पंच बने बैठे हैं। उन्होंने कहा, मध्यस्थता तो कोई भी कर सकता है, इसलिए कांग्रेस ने ऑल पार्टी मीटिंग और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। देश जानना चाहता है कि आखिर ऐसी परिस्थितियां कैसे बनीं। सरकार के फैसले पर कोई आपत्ति नहीं है, युद्ध रुकना चाहिए। सरकार जो भी कदम उठाए, कांग्रेस साथ है, जो निर्णय

घुसपैठियों को चिन्हांकित करने एसटीएफ गठन पर कसा तंज

बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिन्हांकित करने एसटीएफ के गठन पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा, अभी तो अभियान चलाए थे, कितनों को निकाला गया? कितने को आईडेंटिफाई किया गया? ये बताना चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने रात-रात घर-घर जाकर अभियान चलाया था, उसका क्या हुआ? जहां चुनाव होते हैं, वहां पर बांग्लादेशी और पाकिस्तानी आ जाते हैं। बंगाल में चुनाव आने वाला है, इसलिए अब बांग्लादेशियों की बात होगी।

पीएम आवास पर डिप्टी सीएम की चुनौती स्वीकार

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री आवास पर चर्चा के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की चुनौती स्वीकार करते हुए कहा कि मंच, स्थान और समय तय कर लें, भूपेश बघेल चर्चा करने आ जाएगा। कांग्रेस के लोग चुनौती को स्वीकार करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पीएम आवास के लिए 1 लाख 30 हजार दिए जाते थे, अब उसे 1 लाख 20 हजार कर दिया गया है। विधानसभा में ढाई लाख देने की मांग भी की है।

किरणदेव को अपनी नई टीम के लिए करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इस माह भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष तय होने की संभावना

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव को अपनी नई कार्यकारिणी बनाने के लिए भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का इंतजार करना होगा। इस माह भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने की संभावना है। वैसे भारत-पाक के बीच चल रहे अघोषित युद्ध के कारण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस माह चुनाव होने की संभावना नहीं लग रही थी, लेकिन अब सीजफायर के ऐलान के बाद संभावना है कि इस माह के अंत तक भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा।

इसके बाद नए राष्ट्रीय अध्यक्ष से अपनी कार्यकारिणी का अनुमोदन लेकर प्रदेश अध्यक्ष कार्यकारिणी का ऐलान करेंगे। प्रदेश की कार्यकारिणी में बड़ा बदलाव भी तय है। प्रदेश सरकार निगम, मंडल की एक और सूची जारी करने वाली है। इस सूची में भी प्रदेश संगठन के कई नेताओं को पद मिल सकते हैं। ऐसे में तय है कि इस सूची के बाद ही प्रदेश की नई टीम बनेगी। पहली सूची में प्रदेश संगठन के 20 पदाधिकारियों को पद मिल चुके हैं। भाजपा के प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे हो चुके हैं। सितंबर में पहले सदस्यता अभियान चलाया गया, इसके बाद बूथ, मंडल, जिलों के चुनाव के बाद 17 जनवरी को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव हुआ। इसमें एक बार फिर से किरण देव को प्रदेश की कमान सौंपी गई। किरण देव को विधानसभा चुनाव के बाद 2019 में तब अध्यक्ष बनाया गया था, जब विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव को डिप्टी सीएम बना दिया गया था। ऐसे में किरण देव का कार्यकाल करीब सवा साल का ही रहा। अब उनको पूर्णकालिक अध्यक्ष बना दिया गया है।

राष्ट्रीय संगठन से लेना होगा अनुमोदन

किरण देव की नई कार्यकारिणी में कई बदलाव होने की संभावना है। जहां प्रदेश के एक महामंत्री जगदीश रामू रोहरा धमतरी के महापौर बन गए हैं, वहीं एक उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव राजनांदगांव के महापौर बने हैं। इसी के साथ 20 पदाधिकारियों को निगम, मंडल, आयोग में स्थान मिला है। निगम, मंडल की दूसरी सूची में भी कई पदाधिकारियों को पद मिलेंगे। इसके बाद इनके स्थान पर नए चेहरों को रखा जाएगा। प्रदेश संगठन की नई कार्यकारिणी का अनुमोदन राष्ट्रीय संगठन से लेना पड़ता है। ऐसे में संभावना यही जताई जा रही है कि भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही कार्यकारिणी बनाकर उसको अनुमोदन के लिए राष्ट्रीय संगठन को भेजा जाएगा। वैसे भी कार्यकारिणी बनाने की कोई जल्दी नहीं है, क्योंकि अब तक जिला संगठनों की कार्यकारिणी भी नहीं बन सकी है। जिलों की कार्यकारिणी के बाद ही प्रदेश संगठन की कार्यकारिणी बनाने की बात प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कही है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों को शादी के लिए मिलेंगे एक लाख रुपए

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहे नक्सलियों के खात्मे के बीच बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में बड़ी संख्या में ऐसे युवा पुरुष एवं महिलाएं भी हैं, जिनकी शादी नहीं हुई है। समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए राज्य सरकार ने जो पुनर्वास नीति बनाई है, उसमें उनके आगे के जीवन का भी पूरा ध्यान रखा गया है। जो नक्सली समर्पण करने के बाद तीन साल के भीतर शादी करना चाहते हैं तो उन्हें सरकार एक लाख रुपए देगी। दरअसल सरकार ने बंदूक उठाने वाले नक्सलियों को बंदूक से जवाब देने की रणनीति के साथ ही आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए राहत के पैकेज जारी किए गए हैं।

चकल्लस

अजब-गजब मांग ...

शहर में लगाये जा रहे शिविर में मांग और शिकायत करने वाले अजब-गजब मिल रहे हैं। अरजी की छंटाई करने वाले साहब बता रहे थे ऐसी-ऐसी मांग वाली अरजी आई है जिसे पढ़ो तो माथा ठनक जाता है। एक आवेदक को मकान चाहिए पर ये नहीं बताया कि कौन सी योजना में मकान चाहिए। खुद की जमीन पर मकान बनाने लोन लेना है या फिर नजूल का पट्टा है। बिना बताये अब हम कोई अंर्तयामी तो है नहीं कि समझ जाये कि उसके मन में क्या है? सो फोन लगाकर बुला रहे हैं। आउटर के वार्ड वाले साहब भी फूट पड़े कहने लगे अरे ये तो कुछ भी नही है हमारे यहां तो सांड पकड़ने मदद मांगी है, यहां कुत्ता को पकड़ नहीं पा रहे सांड कौन पकड़ेगा।

कुर्सी का चक्कर ...

शहर के एक्स मेयर अपने शार्गिदों से एक्सपीरियंस शेयर कर रहे थे कि ये कुर्सी बाहर से जितनी लुभावना और चमकदार नजर आती है उतनी है नहीं। इसमें बैठो तो लगता है इसमें खूब सारे कांटे बिछा दिये हैं। जो रह-रह कर चुभते हैं फिर भी लोगों के सामने मुस्कुराना पड़ता है। ये कुर्सी का तासीर ही ऐसा है जब तक हासिल न हो ललचाते रहती है एक बार मिल जाये तो सुख-चैन छीन लेती है। एक ने पूछ लिया क्या आपको पहले ये बात पता था? जवाब मिला इतनी देर से पता चला कि कुरसी ही चली गयी।

संगठन पर सवाल

व्हाइट हाउस में पार्षदों की झगड़ा गूंज रहा है। अपोजिशन लीडर के नाम पर खूब छीछालेदार हुआ। हालत यहां तक आ पहुंची कि स्पीकर को सलाह मांगने की नौबत आई। हुआ यूं कि इलेक्शन में करारी हार के बाद अपोजिशन में गिनती के मेंबर रह गये। पर ठसन कम नहीं हुई। ऊंगलियों पर गिनने लायक पार्षद लेकिन अकड़ इतनी कि एक नहीं दो दावेदार नेता प्रतिपक्ष के लिए भिड़ गये। लाबी बनी तो पता चला पांच मेंबर एक साइड बाकी 3 दूसरे साइड। सोचिए कांग्रेस इतने लोगों को भी नहीं संभाल पा रही।

झूठ बोल रहा दर्पण

कहावत है कि दर्पण कभी झूठ नहीं बोलता है... मगर दवा निगम का औषधि दर्पण इसे झुठला रहा है। अफसरों द्वारा इसे काम की पारदर्शिता और नया सिस्टम बताया गया है। किसी भी स्वास्थ्य संस्थान में दवाओं की उपलब्धता, उनकी मांग, शिपमेंट, वितरण और भंडारण की स्थिति का सटीक विश्लेषण इसके माध्यम से किया जा सकेगा मगर इसकी वास्तविक स्थिति इसके विपरीत है। दवा निगम से जुड़े जानकारों का कहना है कि नए औषधि दर्पण के नाम पर पुराना सिस्टम ही चलाया जा रहा है। इसके जरिये वहीं पुरानी जानकारी सार्वजनिक की जा रही है जो अफसर लोगों को बताना चाहते हैं, शेष जानकारी की साइट ओपन ही नहीं हो रही है।

विरोध की राजनीति

सीजीएमएससी की खामियों को उजागर कर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाले एक युवा डाक्टर ने चुप्पी साध ली है। दवा निगम में सप्लाई, टेंडर के साथ अधिकारियों की नियुक्ति पर उन्हें कड़ा एतराज था और इसे लेकर वे सोशल मीडिया में काफी सुर्खियां बटोर रहे थे। सोशल मीडिया से अचानक उनके गायब होने पर इंवेस्टीगेशन के दौरान पता चला कि डाक्टर साहब उसी दवा निगम का हिस्सा बन चुके है जिसकी कार्य प्रणाली पर उन्हें एतराज था। चर्चा यह भी है कि नियुक्ति का विरोध दवा कार्पोरेशन में अपनी जगह बनाने की राजनीति का एक हिस्सा था।

कौन है भेदी...

सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में इलाज के साथ प्रबंधन कार्यों में जुटा प्रत्येक स्टाफ इन दिनों संदेह के दायरे में आ गया है। दरअसल प्रबंधन के जिम्मेवार अस्पताल की खामियों को लगातार उजागर किये जाने से परेशान है। इसकी वजह से उन्हें आलाकमान की खरी-खोटी भी सुननी पड़ रही है। ऊपर वालों के कोपभाजन का शिकार होने से दुखी होने के बाद अस्पताल के मुखबिरों को एक्टिव कर अस्पताल की कमियां उजागर करने वालों का पता लगाने टास्क भी दिया गया है।

बर्र के छत्ते में हाथ

पिछले दिनों कांग्रेस के पार्षदों ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया। इस्तीफा वापस लेने पर साहू समाज ने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि समाज विशेष के व्यक्ति को पद देने के बाद वापस लेना अपमान है। उनके लिए लड़ाई लड़ने का ऐलान किया और अपने लोग ही पीठ दिखाकर भाग आए। मामले में समाज के लोगों ने उन लोगों से संपर्क कर कहा, साहू समाज के पूर्व अध्यक्ष के सामने अपना पक्ष मजबूती से रखना चाहिए था। एक ने कहा, यहां हमारी नहीं, दूसरे की गर्दन फंस गई थी। अगर ऐसा नहीं करते तो उनका पद चला जाता। उन्होंने बर्र के छत्ते में हाथ दे दिया था। उनका कैरियर ही दांव पर लग गया। पुराने साथी हैं तो रियायत दिखानी पड़ी।

निकम्मे या अवसरवादी अफसर

पिछले साल मेडिकल कालेजों में एडमिशन को लेकर जमकर हंगामा हुआ। सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन थी कि एनआरआई कोटे का पालन ठीक से कराया जाए। छत्तीसगढ़ में जमकर धांधली हो रही थी। मामला हाईकोर्ट गया। हाईकोर्ट ने बीते साल एडमिशन ले चुके छात्रों को राहत दी लेकिन कहा कि अगले साल के लिए आप नियम बना लीजिएगा। लेकिन अफसर तो अफसर हैं। जब तक गर्दन न फंसे हिलते नहीं हैं। खबरी बता रहा था कि एनआईआर कोटे की फाइल साहब की टेबल पर 22 दिन से पड़ी है। नीट का रिजल्ट आने वाले हैं। नीचे का अमला चेता रहा है कि सर फिर हंगामा हो जाएगा। लेकिन साहब कह रहे हैं कि जब होगा तब देखा जाएगा।

वाह...क्या नतीजे हैं

पांचवी-आठवीं के परीक्षा परिणाम बीते दिनों जारी कर दिए गए। जारी क्या किए गए हैं, बल्कि रिकॉर्ड ही तोड़ दिए गए हैं। इतनी संख्या में तो छात्र उस वक्त भी उत्तीर्ण नहीं होते थे, जब केंद्रीकृत स्तर पर परीक्षा ना होकर स्कूल अपने स्तर पर परीक्षाएं लिया करते थे और सभी विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रमोट करना अनिवार्य था। नहीं...नहीं... आप गलत समझ रहे हैं। हमारे बच्चे स्मार्ट नहीं हुए हैं, बल्कि परीक्षाएं ही कुछ ज्यादा सरल हो गई हैं। दरअसल, फेल हो चुके छात्रों के लिए दोबारा कक्षाएं संचालित की जानी है। उसके बाद फिर से पूरक परीक्षाएं होंगी। इन सबसे बचने पहले ही कह दिया गया था कि उत्तरपुस्तिकाएं जांचते वक्त दयालुता दिखाई जाए। हालात देखकर अब लगता है कि अधिक दया प्रदर्शित कर दी गई है।

सिफारिशों की बाढ़

युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत तबादले की सूची अब तक जारी नहीं हुई है और सिफारिशों की बाढ़ आ गई है। रायपुर के हर दूसरे शासकीय विद्यालय में स्वीकृत पदों से अधिक शिक्षक हैं। युक्तियुक्त करण के दौरान किस पर गाज गिरेगी कहा नहीं सकते। ऐसे में गाज गिरने के पहले ही लोग सुरक्षित जगह चुनकर अपनी जान बचाने की तैयारी कर रहे हैं। जिला शिक्षा कार्यालय से लेकर डीपीआई तक लोग स्वयं का तबादला रुकवाने (जो अब तक हुआ ही नहीं है) पहुंच रहे हैं। कोई पुराने संबंधों की याद दिला रहा है तो कोई पहले दिए गए रिश्वत की।

माल का सवाल

छत्तीसगढ़ के दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल की माली हालत इन दिनों बेहद खराब चल रही है। जिस पार्टी के लोग डेढ़ साल पहले तक लाखों-करोड़ों में खेलते थे, उसी पार्टी के नेता के पास पार्टी चलाने के लिए खर्च की रकम जुटाना मुश्किल हो गया है। खबरी ने इस बात की पड़ताल की तो पता लगा कि सरकार में रहते धन की आपूर्ति करने वाला एक युवा नेता जेल में है, दूसरे नेताजी, जो यहां-वहां हर जगह से जुगाड़ जमाकर कोष भरा करते थे, वे गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे हैं। पार्टी के सामने अब केवल एक सवाल है, वह है माल का सवाल। माल कौन बटोरकर लाए। सो खर्च कम करने की हिदायत दी गई है।

सुविधा हजम नहीं होती

देश की बड़ी समस्या यह भी है कि लोगों को सुविधाएं हजम नहीं होतीं। रायपुर से अंबिकापुर चलने वाली ट्रेन को ही लीजिए। रेलवे ने दस रुपए में सफर की सुविधा दी है। ट्रेन भी चकाचक है। उसकी हालत यह है कि पटरी से उतरने की नौबत में आ गई है। 10 रुपए का टिकट लेकर भी यात्री इस ट्रेन में सवार होने को तैयार नहीं हैं। ट्रेन भारी घाटे में चल रही है, कभी भी बंद हो सकती है। खबरी ने पता लगाया कि ऐसा क्यों, पता चला कि लाइन की ट्रेन इसलिए रास नहीं आ रही है कि इसमें टीटीई भी मुस्तैद रहते हैं। लोगों को मुफ्त में सफर करने की आदत है। मतलब दस रुपए नहीं दे सकते?

चुनावी खर्च की डामरी वसूली

नगरीय निकाय चुनाव में पार्षद बनने के लिए जमकर खर्च किया गया। अब जबकि पार्षदी की कुर्सी मिल गई है तो चुनावी खर्च वसूलने के लिए रास्ते भी निकाले जा रहे हैं। खबरी बता रहा था, शहर में इस समय डामरी वसूली चल रही है। कहने का मतलब यह है कि शहर में कई वार्डों में उन सड़कों पर डामर लगाने का काम किया जा रहा है, जो सड़कें पहले से मजबूत क्रंकीट की बनी हुई हैं। इसके लिए बजट लाखों में नहीं, बल्कि करोड़ों में तय किया गया है। अब यह बात अलग है कि यह खर्च निगम के खाते से न करके उस लोक निर्माण विभाग के खाते से किया जा रहा है, जो हमेशा से छोटे काम का बड़ा बजट बनाने के लिए बदनाम रहा है।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

आत्मसमर्पित नक्सलियों को शादी के लिए मिलेंगे एक लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहे नक्सलियों के खात्मे के बीच बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला नक्सलियों ने हथियार डाले हैं। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों में बड़ी संख्या में ऐसे युवा पुरुष एवं महिलाएं भी हैं, जिनकी शादी नहीं हुई है।

अलग खबर

समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए राज्य सरकार ने जो पुनर्वास नीति बनाई है, उसमें उनके आगे के जीवन का भी पूरा ध्यान रखा गया है। जो नक्सली समर्पण करने के बाद तीन साल के भीतर शादी करना चाहते हैं तो उन्हें सरकार एक लाख रुपए देगी।

दरअसल सरकार ने बंदूक उठाने वाले नक्सलियों को बंदूक से जवाब देने की रणनीति के साथ ही आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए राहत के पैकेज जारी किए गए हैं। इस पूरी प्रक्रिया को सही तरीके से संचालित करने के लिए छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित, राहत पुनर्वास नीति 2025 लागू की गई है, उसमें शादी के लिए 1 लाख रुपए देने का प्रावधान रखा गया है। आत्मसमर्पण के बाद तीन साल के भीतर समर्पण करने पर यह राशि मिलेगी लेकिन इसमें शर्त ये है कि अगर महिला एवं पुरुष दोनों पूर्व नक्सली हैं तो उन्हें एक इकाई माना जाएगा। यही नहीं, समर्पण करने वालों को 50 हजार रुपए नकद भी दिए जाएंगे।

- नक्सलियों के सफाये के बीच हजारों ने किया समर्पण
- हथियार छोड़ने के बाद तीन साल के भीतर शादी के लिए मिलेगी आर्थिक सहायता

इन्हें माना जाएगा आत्मसमर्पित नक्सली

खास बात ये है कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में किसे नक्सली माना जाएगा? यह भी नीति में साफ किया गया है। जो नक्सलियों के अलग-अलग संगठनों से जुड़े हैं, उन्हें इस नीति का लाभ मिलेगा। इनमें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया माओवादी, इनके फ्रंटल आर्गेनाइजेशन भी शामिल होंगे, जिनमें दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संघ, क्रांतिकारी आदिवासी महिला संघ, क्रांतिकारी आदिवासी बालक संघ, क्रांतिकारी किसान कमेटी, महिला मुक्ति मंच, आरपीसी या जनताना सरकार, चेतना नाट्य मंच, पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया, तृतीय प्रस्तुति कमेटी, झारखंड जनमुक्ति परिषद, जनहित क्रांतिकारी पार्टी, मूलवासी बचाओ मंच का सदस्य, चाहे वह किसी भी पद पर हो या शासन द्वारा समय समय पर घोषित विधि विरुद्ध नक्सली संगठन का सदस्य हो। ऐसे व्यक्ति, जो छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी हो या नहीं, लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य में इन संगठनों के क्रियाकलाप में शामिल हों, आत्मसमर्पण के पात्र माने जाएंगे।

4000 से अधिक स्कूल मर्ज किए जाएंगे

स्कूल मर्ज हो रहे, फिर गुरुओं की बारी 15 से शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग ने युक्तियुक्तकरण के तहत प्रदेश के उन स्कूलों को मर्ज करने का आदेश जारी किया है, जहां शिक्षकों की कमी है और छात्रों की संख्या राष्ट्रीय मानकों से कम है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों का युक्तियुक्तकरण 7 मई से प्रारंभ कर दिया गया है। शिक्षकों का 15 मई से शुरू किया जाएगा। विभाग ने सभी जिलों से मिले आंकड़ों के आधार पर इसकी कार्यवाही शुरू कर दी है।

शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में प्रदेश के 5,484 स्कूल ऐसे हैं जहां सिर्फ एक ही शिक्षक कार्यरत है, जबकि 297 स्कूलों में कोई भी शिक्षक नहीं है। वहीं शहरी क्षेत्रों में 7305 शिक्षक अतिशेष संख्या में पदस्थ हैं, इस असंतुलन को दूर करने और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है। प्रक्रिया के तहत 4000 से अधिक स्कूलों को मर्ज किया जा सकता है। वर्तमान में शिक्षक विहीन स्कूलों में आसपास के स्कूलों के शिक्षकों को अटैच किया गया है।

खास खबर

नई पहल से शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी स्कूलों में छात्रों के लिए पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर किया जा सके। स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से सभी क्षेत्रों में एक समान संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

पदस्थापना के लिए तीन स्तरीय समिति का गठन

- प्रदेश के 5,484 स्कूल ऐसे हैं जहां सिर्फ एक ही शिक्षक कार्यरत जबकि 297 स्कूलों में कोई भी शिक्षक नहीं

अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन

विकासखंड स्तरीय समिति एक ही परिसर में स्थित दो या दो से अधिक प्राथमरी और पूर्व माध्यमिक स्कूलों की दर्ज संख्या एवं कार्यरत शिक्षकों की स्कूल में पदस्थापना तिथि के आधार पर अतिशेष शिक्षकों की जानकारी लेकर सूची तैयार करेगी। साथ ही समिति पास के कम दर्ज संख्या वाले स्कूलों के अतिशेष शिक्षकों की सूची तैयार करेगी। विकासखंड समिति दर्ज संख्या के अनुपात में रिक्त पदों की स्कूलवार और विषयवार सूची तैयार करेगी। तैयार सूची के आधार पर जिला स्तरीय समिति अतिशेष शिक्षकों का रिक्त पदों पर काउंसिलिंग के माध्यम से पदस्थापना करेगी। ई-संवर्ग के अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना ई-संवर्ग के स्कूलों में तथा टी-संवर्ग के शिक्षकों की पदस्थापना टी-संवर्ग के स्कूलों में की जाएगी।

ऐसे होगा शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण

पहले चरण में स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किए जाने के बाद अतिशेष शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। युक्तियुक्तकरण स्कूलों से पृथक अन्य स्कूल, जहां दर्ज संख्या के अनुपात में अतिशेष शिक्षक कार्यरत हैं, उनका युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में एक विषय के लिए स्वीकृत पद के विरुद्ध एक से अधिक कार्यरत व्याख्याता में से अतिशेष का युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि किसी हाईस्कूल या हायर सेकेंडरी स्कूल में अतिथि शिक्षक पदस्थ है तो नियमित व्याख्याता को अतिशेष की श्रेणी में रखा जाएगा।

ऐसे की जाएगी पदस्थापना

जिला स्तर पर पदस्थापना के बाद रिक्त स्थान न होने के कारण कुछ अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना शेष रहती है तो इनकी सूची जिला समिति द्वारा संभागीय संयुक्त संचालक को भेजी जाएगी। संभागीय संयुक्त संचालक द्वारा इसका परीक्षण कर काउंसिलिंग के माध्यम से पदस्थापना की जाएगी। सहायक शिक्षक का पद जिला कैडर का है। अतः इनकी पदस्थापना जिले से बाहर नहीं की जाएगी। इसी तरह शिक्षक पद संभाग कैडर का है। अतः इनकी पदस्थापना संभाग से बाहर नहीं की जाएगी। अतिशेष व्याख्याता जिनका समायोजन जिला एवं संभाग पर नहीं हो पा रहा है तो उसकी सूची संभाग संयुक्त संचालक आगे संचालक लोक शिक्षण संचालनालय को भेजेगा।

राइस मिलर्स एसोसिएशन के नए अध्यक्ष बने बोथरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा बनाए गए हैं। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा, महामंत्री विष्णु बिंदल, कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति आभार जताया है। एसोसिएशन की बैठक में सर्वसम्मति से श्री बोथरा को अध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह की उपस्थिति में अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों का मनोनयन हुआ।

छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन की बैठक में विचार-विमर्श के बाद छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स समन्वय समिति सदस्य प्रीतेश गांधी ने प्रदेश छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कांतिलाल बोथरा, महामंत्री पद के लिए विष्णु बिंदल और कोषाध्यक्ष पद के लिए रमेश अग्रवाल के नाम की घोषणा की।

सांसद बृजमोहन से की जोरा में लोकल मेमू के स्टॉपेज की मांग

रायपुर। श्री साईं दर्शन आवासीय समिति साईंनगर जोरा के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को जोरा में लोकल मेमू ट्रेन का स्टॉपेज देने की मांग को लेकर सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात की। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष द्रौपदी सूर्यवंशी ने बताया कि नई राजधानी से अमनपुर और अमनपुर से भी आगे धमतरी तक पिछले दिनों शुरू हुई लोकल मेमू ट्रेन की सुविधा बढ़ेगी तो फिर सड़क मार्ग से भी सुरक्षित सभी कामकाजी लोगों के लिए जोरा स्टॉपेज का महत्व बढ़ जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य का एकमात्र इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का मुख्यालय भी इसी जोरा क्षेत्र में है, जहां पर देशव्यापी और संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के कोने-कोने से विद्यार्थी वर्ग और उनके माता-पिता तथा अभिभावकों का बड़ी संख्या में आना-जाना लगा रहता है। वर्तमान में जोरा क्षेत्र में अच्छे-अच्छे अस्पताल, मॉल और शादियों के प्रतिष्ठानों की संख्या भी अधिक है, इसलिए इस नई लोकल मेमू ट्रेन का स्टॉपेज जोरा में शुरू कर देने से अधिक से अधिक जनता जनार्दन को लाभ मिलेगा, जिस पर सांसद द्वारा हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया। मांग करने वालों में डॉ. देवेंद्र कुमार सूर्यवंशी, संतोष शर्मा, सुरेश सोनी और तनु साहू, समिति के कार्यकारिणी सदस्य आदि शामिल रहे।

बेरोजगार हो गए पांच सौ स्वास्थ्य मितान आयुष्मान का कामकाज हो रहा प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आयुष्मान कार्ड बनाने सहित विभिन्न स्वास्थ्य सहायता योजनाओं के कई तरह के कार्यों को पूरा करने वाले पांच सौ स्वास्थ्य मितान एक झटके में बेरोजगार हो गए। शासन ने बिना विकल्प दिए टेंडर खत्म कर दिया, जिससे उनका तीन माह का वेतन भी अटक गया। स्वास्थ्य मितान के हटने की वजह से सरकारी अस्पतालों में आयुष्मान संबंधित कामकाज प्रभावित हो रहा है।

- बिना विकल्प शासन ने खत्म किया टेंडर, तीन माह का वेतन भी अटका

स्वास्थ्य मितान आयुष्मान, वय वंदना कार्ड बनाने के साथ अस्पतालों में आने वाले क्लेम वेरिफिकेशन एवं अपलोडिंग की प्रक्रिया पूरी करते थे। उन्हें हटाए जाने के बाद स्वास्थ्य केंद्रों में यह जिम्मेदारी सीएचओ, आरएचओ और एएनएम पर आ गई है, जिनके पास उनके मूल काम भी हैं। सूत्रों का कहना है कि इसकी वजह से आयुष्मान कार्ड बनाने का काम भी काफी प्रभावित होने लगा है। स्वास्थ्य मितान करीब दस सालों से स्वास्थ्य विभाग में थर्ड पार्टी कंपनियों के माध्यम से अपनी सेवा दे रहे थे। उनके कार्यों की वजह से विभाग आयुष्मान भारत योजना में राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि भी हासिल कर चुका है। बताया जाता है कि वर्तमान में काम

कर रही कंपनी का टेंडर विभाग की ओर से अप्रैल माह के अंतिम में खत्म कर दिया गया। इसके पूर्व काम करने वाले स्वास्थ्य मितानों के लिए कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं किया गया। उल्टे अचानक काम खत्म होने की वजह से उनका तीन माह का वेतन भी अटक गया, जिससे इन कर्मचारियों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

आयुष्मान कार्ड बनाने में टॉप-5 पर छत्तीसगढ़

स्वास्थ्य मितानों की मदद से छत्तीसगढ़ ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत हितग्राहियों का कार्ड बनाने में टॉप-5 राज्यों में अपना नाम शामिल कराया था। केंद्रीय स्तर पर की गई समीक्षा के दौरान इसके लिए सम्मानित भी किया गया था। इसके अलावा क्लेम प्रोसेसिंग में राष्ट्रीय स्तर के औसत से दोगुना बेहतर प्रदर्शन की उपलब्धि हासिल की थी। बेरोजगार हुए स्वास्थ्य मितानों का कहना है कि इतनी मेहनत करने के बाद भी उन्हें सेवा से अलग होने की सजा मिली।

ट्रंप की सीजफायर की घोषणा को भूपेश ने बताया अपमानजनक

- ऑल पार्टी मीटिंग और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा किए जाने को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपमानजनक करार देते हुए कहा, देश जानना चाहता है कि ऐसी परिस्थितियां कैसे बनीं।

उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर संवाददाताओं से चर्चा में कहा, दोनों (भारत अथवा पाकिस्तान) सरकारों में से कोई एक घोषणा करती तो यह अलग बात थी, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप का निर्देश अपमानजनक है। 1971 में इंदिरा गांधी ने कहा था कि कोई भी तीसरा देश हस्तक्षेप नहीं करेगा। आज हमारी स्थिति यह है

कि ट्रंप पंच बने बैठे हैं। उन्होंने कहा, मध्यस्थता तो कोई भी कर सकता है, इसलिए कांग्रेस ने ऑल पार्टी मीटिंग और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। देश जानना चाहता है कि आखिर ऐसी परिस्थितियां कैसे बनीं। सरकार के फैसले पर कोई आपत्ति नहीं है, युद्ध रुकना चाहिए। सरकार जो भी कदम उठाए, कांग्रेस साथ है, जो निर्णय लेना है, सरकार ले।

घुसपैठियों को चिन्हांकित करने एसटीएफ गठन पर कसा तंज

बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिन्हांकित करने एसटीएफ के गठन पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा, अभी तो अभियान चलाए थे, कितनों को निकाला गया? कितने को आईडेंटिफाई किया गया? ये बताना चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने रात-रात घर-घर जाकर अभियान चलाया था, उसका क्या हुआ? जहां चुनाव होते हैं, वहां पर बांग्लादेशी और पाकिस्तानी आ जाते हैं। बंगाल में चुनाव आने वाला है, इसलिए अब बांग्लादेशियों की बात होगी।

पीएम आवास पर डिप्टी सीएम की चुनौती स्वीकार

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री आवास पर चर्चा के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की चुनौती स्वीकार करते हुए कहा कि मंच, स्थान और समय तय कर लें, भूपेश बघेल चर्चा करने आ जाएगा। कांग्रेस के लोग चुनौती को स्वीकार करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पीएम आवास के लिए 1 लाख 30 हजार दिए जाते थे, अब उसे 1 लाख 20 हजार कर दिया गया है। विधानसभा में ढाई लाख देने की मांग भी की है।

किरणदेव को अपनी नई टीम के लिए करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव को अपनी नई कार्यकारिणी बनाने के लिए भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का इंतजार करना होगा। इस माह भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने की संभावना है। वैसे भारत-पाक के बीच चल रहे अघोषित युद्ध के कारण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस माह चुनाव होने की संभावना नहीं लग रही थी, लेकिन अब सीजफायर के ऐलान के बाद संभावना है कि इस माह के अंत तक भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा।

इसके बाद नए राष्ट्रीय अध्यक्ष से अपनी कार्यकारिणी का अनुमोदन लेकर प्रदेश अध्यक्ष कार्यकारिणी का ऐलान करेंगे। प्रदेश की कार्यकारिणी में बड़ा बदलाव भी तय है। प्रदेश सरकार निगम, मंडल की एक और सूची जारी करने वाली है। इस सूची में भी प्रदेश संगठन के कई नेताओं को पद मिल सकते हैं।

इस माह भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष तय होने की संभावना

ऐसे में तय है कि इस सूची के बाद ही प्रदेश की नई टीम बनेगी। पहली सूची में प्रदेश संगठन के 20 पदाधिकारियों को पद मिल चुके हैं। भाजपा के प्रदेश संगठन के चुनाव पूरे हो चुके हैं। सितंबर में पहले सदस्यता अभियान चलाया गया, इसके बाद बूथ, मंडल, जिलों के चुनाव के बाद 17 जनवरी को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव हुआ। इसमें एक बार फिर से किरण देव को प्रदेश की कमान सौंपी गई। किरण देव को विधानसभा चुनाव के बाद 2019 में तब अध्यक्ष बनाया गया था, जब विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव को डिप्टी सीएम बना दिया गया था। ऐसे में किरण देव का कार्यकाल करीब सवा साल का ही रहा। अब उनको पूर्णकालिक अध्यक्ष बना दिया गया है।

राष्ट्रीय संगठन से लेना होगा अनुमोदन

किरण देव की नई कार्यकारिणी में कई बदलाव होने की संभावना है। जहां प्रदेश के एक महामंत्री जगदीश रामू रोहरा धमतरी के महापौर बन गए हैं, वहीं एक उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव राजनांदगांव के महापौर बने हैं। इसी के साथ 20 पदाधिकारियों को निगम, मंडल, आयोग में स्थान मिला है। निगम, मंडल की दूसरी सूची में भी कई पदाधिकारियों को पद मिलेंगे। इसके बाद इनके स्थान पर नए चेहरों को रखा जाएगा। प्रदेश संगठन की नई कार्यकारिणी का अनुमोदन राष्ट्रीय संगठन से लेना पड़ता है। ऐसे में संभावना यही जताई जा रही है कि भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही कार्यकारिणी बनाकर उसको अनुमोदन के लिए राष्ट्रीय संगठन को भेजा जाएगा। वैसे भी कार्यकारिणी बनाने की कोई जल्दी नहीं है, क्योंकि अब तक जिला संगठनों की कार्यकारिणी भी नहीं बन सकी है। जिलों की कार्यकारिणी के बाद ही प्रदेश संगठन की कार्यकारिणी बनाने की बात प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कही है।

प्रार्थना के समय बच्चों से कहने होंगे अच्छे विचार, ताकि दूर हो सके मानसिक तनाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एक तरफ जहां कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों को बोर्ड परीक्षा 2025 के रिजल्ट का इंतजार है, तो दूसरी ओर सीबीएसई ने सभी संबद्ध स्कूलों को नए एकेडमिक सेशन से एक निर्देश लागू करने को कहा है। सीबीएसई ने सभी स्कूलों से कहा कि वे रोज अपने स्कूल में सुबह प्रार्थना के समय छात्रों से पॉजिटिव बातें यानी अच्छे विचार कहने को कहें। यह निर्देश आने वाले शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ही लागू होगा।

अलग खबर

नए शैक्षणिक सत्र से लागू होगी व्यवस्था, सुविधानुसार चुन सकेंगे कथन

सहजता के आधार पर भाषा का चयन

विद्यार्थियों के सुलभता के अनुरूप भाषा का विकल्प अपनाया जा सकता है, यानी छात्र जिस भाषा में सहज है, उस भाषा में उक्त कथन कह सकता है। मैं हमेशा खुश रहती हूं या रहता हूं, मैं हर स्थिति में शांत और स्थिर रहता हूं या रहती हूं, मेरी एकाग्रता और स्मरण शक्ति अच्छी है, मेरा शरीर पूर्णतः स्वस्थ और रोगमुक्त है, मैं गैजेट्स का उपयोग केवल पढ़ाई के लिए करता या करती हूं, मैं सबका सम्मान करता या करती हूं, मैं प्रकृति का भी सम्मान करता या करती हूं, जैसी सकारात्मक पंक्तियां छात्र प्रार्थना के बाद दोहराएंगे।

गाइडलाइन भी किए हैं जारी

सीबीएसई ने स्कूलों के लिए कुछ गाइडलाइन भी जारी किए हैं। इसके अनुसार स्कूल हर सुबह असेंबली के दौरान 1-2 छोटे-छोटे कथन कह सकते हैं। बोले जाने वाले ये कथन आयु के मुताबिक समावेशी और सहानुभूति, साहस और आत्म-मूल्य के मूल्यों पर आधारित होने चाहिए। स्कूल अपने मूल मूल्यों के साथ कथन को और भी अनुकूलित कर सकते हैं। कथन को सुनाने या बनाने में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सकता है। स्कूल अपनी मौजूदा असेंबली स्ट्रक्चर के साथ नए फॉर्मेट के लिए स्वतंत्र हैं। स्कूल चाहें तो इसे ब्लैकबोर्ड में लिख सकते हैं अथवा कक्षा में भी यह गतिविधि कर सकते हैं।

जारी किए गए पत्र में बोर्ड ने कहा कि यह कदम छात्रों के सोच में सकारात्मकता लाएगा। आगे कहा गया प्रार्थना के समय कहे गए छोटे-छोटे विचार के दिमाग पर अमिट छाप छोड़ेंगे, जिससे वे अच्छाई की राह पर ही चलेंगे।

बोर्ड का कहना है कि इन विचारों के साथ नियमित रूप से जुड़ने वाले व्यक्ति के मेंटल हेल्थ, आत्मविश्वास और एकाग्रता में वृद्धि देखी गई है। इसका उद्देश्य बच्चों को महज शैक्षणिक रूप से, बल्कि भावनात्मक रूप से भी विकसित करने में मदद करना है और उन्हें आत्मविश्वासी व्यक्ति बनने में मदद करना है।

खबर संक्षेप

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर पूजा-अर्चना की

रायपुर। विगत दिनों 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों ने भारतीय हिंदू पर्यटकों की हत्या कर दी थी, जिसके जवाब में केंद्र की मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से करारा जवाब देते भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम से पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों पर हमला कर उन्हें ध्वस्त कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए महिला मोर्चा मंडल के पदाधिकारियों ने पुरानी बस्ती स्थित कंकाली मंदिर में शनिवार को पूजा-अर्चना की। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मंडल की अध्यक्ष सुमन मुथा, ममता यादव, ज्योति पवार, अजय साहू, राजू बीरनानी, गिरीश अवधिया आदि शामिल हुए।

युवा कांग्रेसियों ने फूंका पाकिस्तान का पुतला

रायपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए कायराना आतंकी हमले में मासूम नागरिकों की शहादत पर युवा कांग्रेस रायपुर ने कड़ा विरोध करते हुए पाकिस्तान का पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया। इस जघन्य हमले में कई निर्दोष लोगों की जान गई, जिससे पूरे देश में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष विनोद कश्यप ने भी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, देश को ऐसे हमलों से बचाने के लिए एकजुटता और कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। युवा कांग्रेस हर मोर्चे पर देश के साथ खड़ी है। इस प्रदर्शन में जिला महासचिव ताजुल अहमद, प्रदेश सचिव आसिफ खान, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया को-ऑर्डिनेटर ऋषभ चंद्राकर, शेख रफीक, पलाश मल्होत्रा, विशाल राजानी, अब्दुल अलीम, शाहिद खान आदि मौजूद थे।

संविधान हीरक जयंती समारोह पर आमसभा आज

रायपुर। राजधानी के शहीद स्मारक भवन सभागार में 12 मई को संविधान के हीरक जयंती वर्ष में छत्तीसगढ़ राज्य आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के नेतृत्व में राज्य स्तरीय परिचर्चा का आयोजन किया गया है। साथ ही आमसभा भी होगी। यह आयोजन छत्तीसगढ़ अजाक्स, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संगठन और सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

निधन

शकुन अवस्थी

रायपुर। गुढ़ियारी निवासी शकुन अवस्थी (80) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 12 मई को सुबह 8 बजे कोटा मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे कान्यकुब्ज शिक्षा मंडल के उपाध्यक्ष पं. संजय अवस्थी एवं मंजू अवस्थी की माता थीं।

सूबे और नगर निगम में सरकार बदली, पर प्रभावित दुकानदारों को नहीं मिल पाई राहत

खालसा स्कूल के सामने से बेदखल 69 दुकानदारों का दूर नहीं हो रहा दर्द, आठ बरस से सिर्फ वादे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आक्सीजोन के नाम पर खालसा स्कूल के सामने से हटाए गए 69 दुकानदारों का व्यवस्थापन नगर निगम 8 साल बाद भी नहीं कर पाया है। चाय, नाश्ता, स्टेशनरी, पंचर बनाने से लेकर अन्य तरह के फुटकर व्यवसाय करने वालों को अब भी व्यवस्थापन का इंतजार है। निगम प्रशासन ने प्रभावित दुकानदारों को लोधीपारा चौक स्थित क्रिस्टल आर्किड के पास भूतल पर दुकानें बनाकर देने के लिए आश्वस्त किया है।

हरिभूमि सरोकार

- आक्सीजोन के दायरे में दुकानें, निगम का चला था बुलडोजर, एक झटके में आ गए सड़क पर

दरअसल पंडरी में खालसा स्कूल के सामने मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के तहत 69 बेरोजगारों को 81 वर्गफीट स्पेस पर गुमटीनुमा दुकानें आवंटित की गई थीं, जिसमें कई परिवारों को आजीविका का सहारा मिला।

26 दिसंबर 2017 को आक्सीजोन के दायरे में आ रहीं इन दुकानों को सुबह 5 बजे निगम के तोड़दस्ते ने दल-बल के साथ पुलिस बल की मौजूदगी में एक झटके से जमींदोज कर दिया था। इससे छोटे व मध्यम श्रेणी के दुकानदार सड़क पर आ गए। प्रभावित दुकानदारों ने निगम प्रशासन और कलेक्टर से व्यवस्थापन की गुहार लगाई।

क्रिस्टल आर्किड के पास दुकान देने का प्रस्ताव

निगम प्रशासन ने आक्सीजोन के दायरे में प्रभावित दुकानदारों को विस्थापन के तहत उनकी सहमति से हाट बाजार पंडरी के पास क्रिस्टल आर्किड के समीप नगर निगम की खाली जमीन पर दुकानें बनाकर देने का प्रस्ताव दिया। अगस्त 2023 में प्रभावित दुकानदारों को बाजार विभाग की ओर से 4 लाख का डिमांड नोट भेजकर दुकान आवंटन की पेशकश की गई, पर दुकानदार रेट ज्यादा होने और फर्स्ट फ्लोर पर दुकानें देने की वजह से आगे नहीं आए। उन्होंने प्रस्तावित दुकानों की कीमत कम करने का आग्रह करते हुए निगम प्रशासन से गुहार भी लगाई।

नया प्रस्ताव रहा हवा-हवाई

कांग्रेस शासनकाल में तत्कालीन महापौर एजाज ढेबर की परिषद ने खालसा स्कूल के सामने से हटाए गए दुकानदारों को राहत देने नया प्रस्ताव राज्य शासन को भेजने का मन बनाया। एमआईसी की बैठक के बाद इस बात के संकेत भी दिए कि प्रभावित दुकानदारों को व्यवस्थापन के तहत 2 से 2.50 लाख रुपए में 30 साल की लीज पर दुकान आवंटित करने प्रस्ताव बनाने की बात कही, पर यह प्रस्ताव हवा-हवाई साबित हुआ।

महापौर ने कहा- भूतल पर दुकानें देंगे

निगम बजट की सामान्य सभा में खालसा स्कूल के सामने से हटाए गए दुकानदारों के व्यवस्थापन वाली जगह पर प्रस्तावित निगम बांड से व्यावसायिक परिसर लाने की बात कहते हुए कांग्रेस पार्षद आकाश तिवारी ने सवाल खड़े किए। महापौर मीनल चौबे ने सदन में कहा कि व्यवस्थापन वाली उनकी जमीन से कोई छेड़छाड़ नहीं की जा रही है। प्रभावित दुकानदारों को भूतल पर दुकान देने का निर्णय हुआ है, इसलिए उनकी जगह को छोड़कर व्यावसायिक कांप्लेक्स का प्रोजेक्ट लाया जा रहा है।

ट्रैफिक की बिगड़ी दिशा, एजेंसी तय नहीं, कई चौक-चौराहों के सिग्नल की बत्ती गुल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने शहर के अलग-अलग 50 प्रमुख चौक-चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए हैं। सिग्नल का मैनेजमेंट करने पांच साल के लिए एलएंडटी कंपनी को एजेंसी नियुक्त किया गया था।

- एलएंडटी का एक माह पूर्व टेंडर समाप्त, अब तक नई एजेंसी तय नहीं

एजेंसी का कार्यकाल वर्ष 2024 में समाप्त हो गया है। नई एजेंसी तय करने तक एलएंडटी का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था, जो पिछले महीने समाप्त हो गया। वर्तमान में ट्रैफिक सिग्नल की देखरेख करने एजेंसी तय नहीं होने की वजह से शहर के करीब दर्जनभर चौक-चौराहों के ट्रैफिक सिग्नल बंद हो गए हैं।

शहर के ट्रैफिक सिग्नल की देखरेख करने जिले के साथ निगम, स्मार्ट सिटी तथा ट्रैफिक पुलिस एक दूसरे पर जिम्मेदारी मढ़ने का काम कर रही है। इसके चलते सिग्नल का समय पर मेंटेनेंस नहीं होने की वजह से जो सिग्नल बंद हो गए हैं, उनका सुधार नहीं हो पा रहा है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस को मैनुअली तरीके से ट्रैफिक कंट्रोल करना पड़ रहा है।

इन जगहों के सिग्नल की बत्ती गुल

शहर में जिन प्रमुख चौक-चौराहों पर एक सप्ताह से ज्यादा समय से ट्रैफिक सिग्नल बंद हैं, उनमें देवेंद्र नगर चौक के साथ फायर ब्रिगेड चौक, महासमुंद बैरियर, तेलीबांधा बाजार चौक, अग्रसेन चौक, तेलीबांधा वीआईपी टर्निंग, खम्हारडीह थाना चौक तथा कबीर नगर चौक का सिग्नल बंद है।

व्यस्ततम चौक पर हो रही परेशानी

शहर के व्यस्ततम चौक देवेंद्र नगर, तेलीबांधा बाजार चौक, वीआईपी टर्निंग के साथ कबीर नगर चौक पर पूरे दिन ट्रैफिक का दबाव रहता है। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस के जवानों को चिलचिलाती धूप में चौक पर खड़े होकर ट्रैफिक कंट्रोल करना पड़ रहा है। सुबह 10 से 11 बजे तथा शाम के समय ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। ऐसे में सिग्नल बंद होने से यातायात कंट्रोल करने ट्रैफिक पुलिस को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आंधी-तूफान से कई जगह के सिग्नल बंद

शहर में जो दर्जनभर सिग्नल बंद हैं, उनमें से कई सिग्नल दस दिन पूर्व आए आंधी-तूफान की वजह से खराब हो गए हैं। तब से सिग्नल की मरम्मत करने किसी ने ध्यान नहीं दिया। सिग्नल का मेंटेनेंस करने स्थानीय स्तर पर कोई उपाय नहीं किए जाने से आने वाले दिनों में ट्रैफिक पुलिस को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

प्रचंड गर्मी के बिना बीतेगा इस बार का नवतपा, मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मान्यता के अनुसार सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने की वजह से नवतपा के दौरान प्रचंड गर्मी पड़ती है। इस बार देश में मानसून गतिविधि समय से पहले शुरू होने की वजह से नवतपा अतिभारी गर्मी के बिना बीतेगा। वातावरण में आर्द्रता बढ़ने की वजह से नवतपा का असर कम होने का अनुमान मौसम तथा ज्योतिष के जानकार भी लगा रहे हैं। इसके पूर्व गर्मी जरूर अपना ज्यादा असर दिखा सकती है। इस बार नवतपा 25 मई से शुरू होकर 3 जून तक प्रभावी रहेगा। सामान्यतः इस अवधि में पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। पिछली बार नवतपा की अवधि में मई का सर्वाधिक तापमान एक दिन 47 डिग्री के करीब पहुंचा था। इस बार सर्वाधिक तापमान उस स्थिति तक पहुंचने की संभावना काफी कम है और पारा 44-45 डिग्री पर सिमटने की गुंजाइश है।

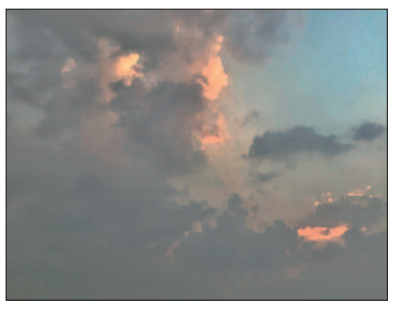

अभी बढ़ेगी गर्मी

इधर मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी में अभी धीमी गति से वृद्धि हो रही है। राज्य का सर्वाधिक तापमान 41 डिग्री के पार हो चुका है और दोपहर में तेज धूप का असर होने लगा है। मई के दूसरे पखवाड़े में गर्मी का प्रभाव काफी तेज होगा। उस दौरान राज्य में आने वाली हवा की दिशा बदलने की उम्मीद है। वातावरण में मौजूद नमी का प्रभाव घटने से दिन के साथ रात का न्यूनतम तापमान भी बढ़ने की संभावना है। रविवार को दोपहर छाए बादलों की वजह से मौसम में बेचैनी भरी गर्मी महसूस हुई। शाम के पश्चात शहर में हवा की गति होने से अंधड़ जैसी स्थिति बन गई।

सुशासन तिहार में मिले 95 प्रतिशत आवेदन विभागों को भेजकर बता दिए निराकृत

रायपुर। सुशासन तिहार के आवेदनों की कार्यवाही को सरकार अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करे। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने दावा किया कि सरकार को मिले 95 प्रतिशत आवेदनों को संबधित विभागों को भेजकर निराकृत होने का दावा किया जा रहा है। किसी भी आवेदन पर समुचित कार्यवाही नहीं की गई। साय सरकार का सुशासन तिहार फ्लॉप साबित हुआ है।

- कांग्रेस ने आवेदनों पर की गई कार्रवाई सार्वजनिक करने की मांग की

सुशासन तिहार के दौरान मिले आवेदन : सुशासन तिहार के पहले दूसरे चरण में आम जनता की समस्याओं से संबंधित लगभग 40 लाख आवेदन आए थे। इसके पहले मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में 75 हजार से अधिक आवेदन आए थे, जिनका आज तक निराकरण नहीं हुआ है। ऐसे में सुशासन तिहार के तीसरे चरण का कोई मतलब नहीं है। प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल से हताश और परेशान हो गई है। किसान, मजदूर, व्यापारी, महिलाएं, छात्र, युवा, हर वर्ग हताश और परेशान हैं, अपनी समस्याओं को लेकर दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं।

विधायक मूणत ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत ने रविवार को जोन 7 के 2 वार्डों में 1 करोड़ 18 लाख के आधा दर्जन नए विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

संत रामदास वार्ड और सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड में भवन निर्माण, सौंदर्यीकरण और जीआई पाइपलाइन विस्तार कार्य शामिल है। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक राजेश मूणत ने 1 करोड़ 18 लाख रुपए की स्वीकृत लागत से 6 विविध नवीन विकास कार्यों को शीघ्र कराने भूमिपूजन किया। इस मौके पर श्री मूणत ने कहा कि इन कार्यों का उद्देश्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि नागरिकों की जरूरतों को पूरा कर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि रायपुर पश्चिम का कोई भी वार्ड मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे। जनता से जो वादे किए हैं, उन्हें जमीन पर उतारना ही मेरी सबसे बड़ी जवाबदेही है। सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड में अधोसंरचना मद से 40 लाख रुपए की लागत से जीआई पाइपलाइन विस्तार कार्य, 20 लाख रुपए की लागत से शीतला माता मंदिर के समीप शेड आदि निर्माण कार्य कराया जाएगा।

- सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड, संत रामदास वार्ड के नागरिकों को सौगात

नाली से कब्जा हटाया 5 हजार जुर्माना वसूला

श्री मूणत ने कबीर चौक रामनगर में आवश्यक सुधार मरम्मत कार्य जल्द कराने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ को निर्देश दिए। साथ ही रामनगर मुख्य मार्ग में नाली पर कब्जा जमाकर लगाए गए मुर्गी दुकान को हटाने के निर्देश जोन 7 के कमिश्नर को दिए। जोन 7 की टीम द्वारा रामनगर मुख्य मार्ग पर नाली के ऊपर से मुर्गी दुकान तत्काल हटाकर संबंधित दुकानदार से 5 हजार रुपए सड़क बाधा जुर्माना वसूला गया। इस मौके लोककर्म विभाग के अध्यक्ष दीपक जायसवाल, पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद भोलाराम साहू, जोन 7 अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, जोन 8 के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, अपर आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ यूएस अग्रवाल, प्रभारी अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, कृष्णा खटीक, जोन कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, अतुल चोपड़ा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

आम सूचना का खण्डन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार की ओर से आम सूचना पत्र दिनांक 06/05/2025 दैनिक समाचार पत्र दैनिक भाष्कर में प्रकाशित आम सूचना पत्र का खण्डन करता हूँ। वाके मौजा - ग्राम - रसनी, प.ह.नं.00028, रा. निं मं.- आरंग, तहसील- आरंग, जिला-रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर - 290 रकबा - 2.2500 हेक्टेयर भूमि के संबंध में अधिवक्ता श्री भूपेन्द्र सिंह, निवासी-मलसाय तालाब के पास शिवाजी नगर, कुशालपुर जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा अपने पक्षकार की ओर से उक्त वर्णित भूमि का पक्का सौदा अपने पक्षकार से हो जाने के संबंध में भू-स्वामीगण नरोत्तम लाल चन्द्राकर एवं गोरे लाल चन्द्राकर व अन्य का संयुक्त स्वामीगण, निवासी ग्राम - रसनी, आरंग, जिला रायपुर छ.ग. के संबंध में आम सूचना प्रकाशन कराया गया है उक्त संबंध में आपके पक्षकार के द्वारा किये गये सौदा के पूर्व मेरे पक्षकार का उक्त वर्णित भूमि के संबंध में पूर्व में इकरारनामा का निष्पादन भूमि स्वामीगण नरोत्तम लाल चन्द्राकर एवं गोरे लाल चन्द्राकर व अन्य का संयुक्त स्वामी, निवासी-ग्राम- रसनी, आरंग, जिला रायपुर छ.ग. का निष्पादन किया गया है। जो कि वर्तमान में अस्तित्व में है, ऐसी स्थिति में आपके पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित भूमि के संबंध में क्रय किये जाने के संबंध में इकरारामा का निष्पादन किया गया है व अवैध एवं शून्य है जो मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नहीं है तथा इसके बावजूद भी आपके पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित भूमि को क्रय किया जाता है तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी आपके पक्षकार होंगे। सो सूचना जाने !
रायपुर छ.ग.
दिनांक 11/05/2025

भवदीय
आर. के. महोबिया, देवकांत महोबिया
(अधिवक्तागण)
कार्यालय- लीली चौक पुरानी बस्ती
नया मंदिर मार्ग रायपुर (छ.ग.)
मो. 9926895225, 8109453466

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर- 05 (भनपुरी) तहसील व जिला रायपुर
सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 09.05.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौरव चोपड़ा पिता डॉ.अमृत लाल चोपड़ा निवासी पाम रेसीडेंसी, पंकज विक्रय परिसर तेलीबांधा रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदित ग्राम गोंदवारा प.ह.नं. 37 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-05 (भनपुरी) स्थित भूमि खसरा नंबर 682/6 रकबा 0.0100 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के ज्ञापन क्र. क / वाचक/ अति.तह./वर्ष 2025 रायपुर के आदेश दिनांक 26.03.2025 के परिपालन में दिनांक 22.05.2025 को समय 12:00 बजे पश्चात् किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नंबर 37 के गोंदवारा स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर- 05 (भनपुरी)

पेज 11 के शेष ...

150 की रफ्तार में...

से घायल हैं। गौतम किराना दुकान संचालित करता था। दो अन्य युवक क्या करते हैं, फिलहाल पुलिस को इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है।

उछलकर कार पोल से...

गौतम का ध्यान भटका होगा, इस वजह से डिवाइडर पर ध्यान नहीं दे पाया और कार का सामने का पहिया डिवाइडर से टकराकर उछला और कार नवा रायपुर में निगरानी के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे के पोल से टकरा गई। कार की टक्कर से पोल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। पोल में टकराने की वजह से इंजन कार से अलग होकर दूर जा गिरा। मृतक तथा घायलों के कार से निकालने के बाद कार में आग लग गई और कार देखते ही देखते जलकर खाक हो गई।

6 जिलों में निजी...

स्कूलों से कहा गया है कि जिन संस्थानों द्वारा सीबीएसई से मान्यता प्राप्त की गई है वे एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित किताबों से अध्यापन कराएंगे। इसी तरह जिन शैक्षणिक संस्थानों को सीजी बोर्ड से मान्यता मिली है, वे एससीईआरटी की किताबों से अध्ययन कराएंगे। आदेश में कहा गया है कि यदि किसी अन्य पाठ्य पुस्तकों के माध्यम से अध्ययन कराए जाने की जानकारी प्राप्त होती है अथवा शिकायत मिलती है तो मान्यता अवरुद्ध किए जाने से लेकर अन्य तरह कार्रवाई की जाएगी। जिन जिलों में निजी स्कूलों के लिए यह आदेश जारी हुआ है उसमें कबीरधाम, कोरिया, कांकेर, धमतरी, महासमुंद और बालोद शामिल है। धमतरी जिले में उक्त आदेश जिला कलेक्टर द्वारा जारी किया गया है, जबकि अन्य जिलों में जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा यह आदेश जारी हुआ है।

गुणवत्ता के लिए...

हैं। इसमें इंग्लिश ग्रामर, हिंदी व्याकरण, कंप्यूटर सहित कई विषयों की किताबें शामिल हैं। इनमें से किसी भी पुस्तक का प्रकाशन छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम नहीं करता है। इसके अलावा प्रदेश में लगभग नर्सरी कक्षाओं के लिए भी पापुनि किताबें नहीं छापता है। वहीं सीबीएसई ने भी स्पष्ट किया है कि अशासकीय विद्यालय एनसीईआरटी की किताबों के साथ सप्लीमेंट्री किताबें भी लगा सकते हैं, जैसे-वर्कबुक, डिजिटल कंटेंट या अन्य जो विद्यार्थियों को शिक्षा में सहायक हो। इसके अलावा नए सत्र की शुरुआत में किताबें नहीं मिल पाना भी एक बड़ा कारण है जिसके कारण अशासकीय विद्यालय निजी प्रकाशकों की पुस्तक पढ़ने को बाध्य होते हैं।

खबर संक्षेप

चित्रकला प्रदर्शनी में 150 से अधिक तस्वीरों का प्रदर्शन

रायपुर। नूतन कला संगम बूढ़ापारा द्वारा संस्कृति विभाग स्थित कला दीर्घा में दो दिवसीय 11 से 12 मई तक अभिव्यक्ति, चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मूर्ति कलाकार इंद्रा घोष ने रविवार को किया।
चित्रकला प्रदर्शनी में कुल 42 कलाकारों द्वारा बनाए गए 150 से अधिक चित्रों का प्रदर्शन किया गया, जिसके अंतर्गत कलाकारों द्वारा पेंसिल, वाटर कलर, ऑयल पेस्टल, सॉफ्ट पेस्टल, एक्रेलिक कलर, ऑयल पेंटिंग, टेक्सचर पेंटिंग एवं कैनवास पर अपनी कला का प्रदर्शन किया गया है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि कार्टून वॉच पत्रिका के संपादक त्रयंबक शर्मा रहे।

बसंत विहार कॉलोनी में सुंदरकांड संगीतमय पाठ

रायपुर। बसंत विहार कॉलोनी गोंदवारा में श्रीरामचरित मानस सुंदरकांड के संगीतमय पाठ का आयोजन स्व. नाथूराम साहू के निवास पर शनिवार को किया गया। इस दौरान जयकुमार यादव ने कहा कि कलयुग में भगवान का नाम लेने से ही मनुष्य भवसागर पार हो सकता है, उन्होंने कहा कि प्रभु नाम के स्मरण मात्र से ही समस्त पाप कट जाते हैं। उन्होंने कहा कि सुंदरकांड बजरंगबली की आराधना है। इसका पाठ करने से बजरंगबली प्रसन्न होते हैं। इसी दौरान स्व. नाथूराम साहू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सुपुत्रों द्वारा सुंदरकांड के संगीतमय पाठ का आयोजन किया गया। संगीतमय पाठ के बाद आरती व महाप्रसाद का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में मानस मंडली के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में घर के सदस्य एव कॉलोनीवासी शामिल हुए।

अल्पसंख्य आयोग के अध्यक्ष अमरजीत का सम्मान

रायपुर। गुरु अमरदास साहिब के पावन प्रकाश उत्सव पर रविवार को विशेष दीवान रखा गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंग छाबड़ा ने अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंग छाबड़ा का सम्मान किया। इसके बाद गुरु का लंगर रखा गया। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंग छाबड़ा, उपाध्यक्ष द्वय इंदरजीत सिंग छाबड़ा, तेजिंदर सिंग होरा, कल्याण सिंग, मनजीत सिंह, कुलजीत सिंह मक्कड़, कुलदीप सिंह, राजा भल्ला, रश्मित सिंग, हरजीत सिंग, इंदरपाल सिंग अजमानी समेत सैकड़ों संगत ने कीर्तन का रसपान किया।

ज्योत्स्ना को पीएचडी

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी भिलाई ने ज्योत्स्ना चौबे को बायोटेक्नोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय आईडेंटिफिकेशन ऑफ बायोमार्कर फॉर डिफरेंटशिएटिंग ओरल कैंसर स्टेज एंड डिजीज प्रोग्रेशन यूजिंग सिस्टम बायोलॉजी अप्रोच रहा। उन्होंने अपना शोधकार्य डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, रायपुर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. तनुश्री चटर्जी के निर्देशन एवं सिस्टम बायोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोइनफॉर्मेटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ रास्टॉक, जर्मनी के प्रोफेसर डॉ. ओलफ वोल्कान्हेर के सह निर्देशन में पूरा किया।

20 साल में सात हजार का सोना हुआ लखटकिया, सौ साल पहले थे महज 18 रुपए दाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सोने ने इतिहास में पहली एक लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। सौ साल पहले 1925 में सोने की कीमत महज 18 रुपए दस ग्राम थी, जो आज एक लाख के पार हो चुकी है। 20 साल में सोने की कीमत सात हजार से एक लाख तक पहुंची है। दस-दस साल में सोने के दाम चार गुना बढ़े हैं। 2005 में सोने की कीमत महज सात हजार रुपए थी, जो 2015 में 26 हजार के पार हुई थी। इसके बाद अब दस साल बाद 2025 में सोने की कीमत एक लाख के पार हुई है। इस साल भी दाम करीब चार गुना बढ़े हैं। सोने की कीमत ने बीते चार साल में सबसे तेज रफ्तार पकड़ी है।

अलग खबर

दो बार दस-दस साल में चार गुना हो गए दाम

2015 के बाद दाम तेजी से बढ़े

सोने की कीमत को 2015 के बाद मानो पर ही लग गए। दस साल में इसके दाम एक बार फिर से करीब चार गुना बढ़े हैं। 26 हजार से 50 हजार तक का सफर तय करने में सोने को 6 साल का समय लगा, लेकिन 50 हजार से एक लाख तक का सफर तय करने में चार साल का ही समय लगा। जो सोना 2021 में 50 हजार था, वह अब एक लाख के पार होकर एक लाख तीन सौ पचास रुपए हो गया है।

1980 में पहली बार हजार के पार

सोना आज तो लखपति हो गया है, लेकिन इसको हजारी बनने में 55 साल लग गए थे। सोना जहां पहली बार 1974 में पांच सौ रुपए के पार होकर 506 हुआ था, वहीं 1980 में पहली बार सोने ने हजार का आंकड़ा पार किया और कीमत 1330 रुपए हो गई। इसके बाद सोने को दो हजार तक पहुंचने में महज पांच सालों का ही सफर तय करना पड़ा। 1985 में सोना दो हजार के पार होकर 2130 रुपए हो गया। 1996 में सोना पांच हजार के पार हुआ और कीमत 5160 रुपए हो गई।

2005 में सात हजार थे दाम

सोने की कीमत 20 साल पहले 2005 में सात हजार रुपए थी। 2005 से 2015 के बीच के दस साल में सोने के दाम आसमान पर पहुंचे। सोना सात हजार से करीब चार गुना महंगा होकर 26845 रुपए हो गया। इतिहास में यही पहला असवसर था जब दाम इतनी तेजी से बढ़े।

सोने के दाम 1925 से 2025 तक

1925 में 18.75 रुपए
1935 में 30.81 रुपए
1945 में 62.00 रुपए
1955 में 79.00 रुपए
1965 में 72.00 रुपए
1975 में 540 रुपए
1985 में 2130 रुपए
1995 में 4680 रुपए
2005 में 7000 रुपए
2015 में 26845 रुपए
2025 में 100350 रुपए

चार साल पहले 2021 में सोने की कीमत 50 हजार थी, जो अब डबल होकर एक लाख के पार हो गई है। इतनी तेजी से सोने के दाम इतिहास में कभी नहीं बढ़े। अगर इस साल 2025 की ही बात करें तो इस साल महज चार माह में ही इसके दाम करीब 22 हजार बढ़े हैं।

1925 में 18 रुपए थे दाम

सोने के सौ साल का इतिहास देखा जाए तो सोने के दाम 1925 में 18.75 थे। अपने पहले दस साल में इसके दाम 1935 में 30 रुपए तक पहुंचे। इसके बाद 1945 में इसके दाम 62 रुपए थे। आजादी के बाद 1947 में दाम 88.62 रुपए थे। पहली बार सोने ने सौ रुपए का आंकड़ा 1959 में छुआ और दाम 102 रुपए हुए।

हीरापुर, सरोरा तथा जरवाय में ओवरपास बनाने की योजना

सौ करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे तीन ओवरपास, पांच लाख आबादी को राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बिलासपुर-रायपुर मार्ग के चौड़ीकरण होने के बाद इस मार्ग पर वाहनों का दबाव पहले की तुलना में बढ़ गया है। टाटीबंध से हीरापुर मार्ग घने रिहायशी क्षेत्र के रूप में तब्दील होने की वजह से क्षेत्र में लोगों को सुगम आवाजाही की सुविधा देने ओवरपास निर्माण की अरसे से मांग की जा रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए हीरापुर, सरोरा तथा जरवाय चौक पर 100 करोड़ रुपए की लागत से तीन ओवरपास बनाए जाने का निर्णय शासन स्तर पर लिया गया है।

- ट्रैफिक का दबाव कम होने से रहवासियों को मिलेगी राहत

हरिभूमि सरोकार

रायपुर-बिलासपुर मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कम करने सिलतरा में अलग से बायपास मार्ग बनाया गया है, सिलतरा में बायपास मार्ग के निर्माण होने के बाद टाटीबंध से हीरापुर, सरोरा जाने वाले मार्ग पर जैसा ट्रैफिक दबाव कम होने की उम्मीद थी, उस लिहाज से ट्रैफिक का दबाव कम नहीं हुआ। सिलतरा में बायपास निर्माण होने के बाद टाटीबंध-हीरापुर मार्ग पर 20 प्रतिशत के करीब ट्रैफिक दबाव कम हुआ है। सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं टाटीबंध से हीरापुर, जरवाय मार्ग पर होती हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए तीन स्थानों पर ओवरपास बनाने का निर्णय लिया गया है।

सिक्सलेन का होगा ओवरपास

कबीरनगर, हीरापुर और जरवाय चौक पर ओवरपास सिक्सलेन का होगा, इसमें 3 लेन से गाड़ियां आएंगी-जाएंगी, टाटीबंध की तरफ से आने वाले यात्री जरवाय चौक के पहले फ्लाईओवर पर चढ़ेंगे। इसके बाद हीरापुर चौक से होते हुए सीधे बिलासपुर हाईवे की तरफ आगे निकल जाएंगे।

हादसों पर लगेगी लगाम

टाटीबंध से हीरापुर और जरवाय मार्ग पर सड़क के दोनों किनारे सर्विस लेन के साथ हाईवे का वाहन चालक अघोषित तौर पर पार्किंग के रूप में उपयोग करते हैं। इसके चलते यहां आए दिन एक्सीडेंट होते रहते हैं। ओवरपास बनने से सड़क हादसे नहीं होंगे। साथ ही चौक पर वाहन चालकों को जाम से भी राहत मिलेगी।

इतनी लागत से बनेंगे ओवरपास

हीरापुर, सरोरा तथा जरवाय में जो ओवरपास बनाए जाने हैं, उनमें सरोरा में 33 करोड़ 17 लाख 61 हजार, हीरापुर चौक के पास 49 करोड़ 40 लाख तथा जरवाय मार्ग पर बंगाली ढाबा के पास ओवरपास 13 करोड़ की लागत से बनाए जाएंगे।

ट्रैफिक दबाव कम, समय की बचत

दुर्ग, जगदलपुर से बिलासपुर जाने वाले वाहनों को रिंगरोड-2 से होकर गुजरने में वर्तमान में आधे घंटे का समय लगता है। ओवरपास बन जाने से टाटीबंध-हीरापुर के रास्ते बिलासपुर जाने हाईवे तक पहुंचने में 15 से 20 मिनट का समय लगेगा। इसके अलावा रिंगरोड से सटी अलग-अलग कॉलोनियों के रहवासियों को सड़क जाम तथा सड़क दुर्घटनाओं से मुक्ति मिलेगी।

बीकॉम-सीए फाउंडेशन के पर्चे न टकराएं, इसलिए बदली तारीख और अब सीए इंटर संग टकराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रविवि ने सेमेस्टर कक्षाओं की समय-सारिणी जारी की। इसमें बीकॉम द्वितीय सेमेस्टर भी शामिल रहा। जब पहली बार समय-सारिणी जारी की तो बीकॉम के पर्चे सीए फाउंडेशन के साथ टकरा रहे थे।

- बीकॉम की परीक्षा दिलाने वाले छात्र ही शामिल होते हैं सीए की प्रवेश परीक्षाओं में

छात्रों ने इस पर आपत्ति दर्ज करते हुए बीकॉम की परीक्षा तिथि बदलने की मांग की। रविवि ने इसे स्वीकार भी कर लिया और संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी। अब बीकॉम की परीक्षाएं सीए फाउंडेशन के साथ नहीं बल्कि सीए इंटर के साथ टकरा रही है। छात्र फिर माथा पकड़कर बैठ गए हैं। छात्र अब पुनः विरोध दर्ज कराने की तैयारी में है।

यह पहली बार नहीं है जब रविवि द्वारा बीकॉम और सीए की प्रवेश परीक्षाओं की तिथि टकराने के कारण तिथियों में बदलाव किया गया हो। बीते वर्ष भी यही स्थिति निर्मित हुई थी। इसके बाद रविवि द्वारा समय-सारिणी में परिवर्तन किया गया था। सीए प्रवेश परीक्षाओं की तिथियां पूर्व में ही घोषित हो चुकी थी। इसके बाद भी रविवि द्वारा टाइम-टेबल तैयार करते समय इस पर ध्यान नहीं दिया गया। बार-बार बदलाव से ना केवल छात्रों में भ्रम की स्थिति निर्मित हो रही है, बल्कि महाविद्यालय भी इससे परेशान हो गए हैं।

अन्य विषयों में भी बदलाव

जारी की गई नवीन समय-सारिणी के अनुसार, बीकॉम की सीएमए की परीक्षा सीए इंटर मीडियट से टकराएगी। यदि छात्र दोनों में से एक भी परीक्षा छोड़ते हैं जो उनका एक वर्ष खराब होगा। रविवि द्वारा ना सिर्फ बीकॉम बल्कि कई अन्य विषयों की समय-सारिणी में भी बदलाव किया गया है। छात्रों द्वारा कोर्स पूण नहीं होने की शिकायत के बाद सेमेस्टर की परीक्षाएं मई के स्थान पर जून में कराने का निर्णय रविवि द्वारा पिछले सप्ताह लिया गया था।

तीन चरणों में होती है परीक्षा

गौरतलब है कि सीए बनने के लिए तीन चरणों में परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होती है। सर्वप्रथम सीए फाउंडेशन की परीक्षा होती है। इसे उत्तीर्ण करने के बाद छात्रों को अगले वर्ष सीए इंटरमीडिएट की परीक्षाएं दिलानी होगी। इसके बाद आर्टिकल-सी पूर्ण करना होता है। अंत में इंटर फाइनल की परीक्षाएं होती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में चार से पांच साल का समय लग जाता है। ऐसे में अधिकतर विद्यार्थी सीए की तैयारियों के साथ-साथ बीकॉम-एमकॉम की पढ़ाई भी कर रहे होते हैं।

छत्तीसगढ़ समेत देशभर में हिंदुस्तान पेट्रोल पंप के कंठ सूखे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपी) में तकनीकी खराबी आने की वजह से पिछले पांच दिनों से एचपी डीलरों के पंपों में समय पर पेट्रोल, डीजल नहीं मिल पा रहा है। एचपी पेट्रोल पंप एसोसिएशन के प्रतिनिधि अभय पारख के अनुसार, डिपो में पर्याप्त स्टाक है। एचपी के सर्वर में तकनीकी खामी होने की वजह से डीलरों के टैंकर में पेट्रोल, डीजल मैनुअल तरीके से भरा जा रहा है। इस वजह से पेट्रोल, डीजल की आपूर्ति में देर हो रही है।

- तकनीकी खामी के चलते समय पर नहीं पहुंच रहे टैंकर

अभय पारख के अनुसार, विगत 7 मई से सर्वर में तकनीकी खामी आने के बाद से ऑयल आपूर्ति प्रभावित हुई है। एचपी से जुड़ी तकनीकी टीम सर्वर ठीक करने की कोशिश में जुटी हुई है। एचपी प्रबंधन द्वारा तकनीकी खामी को 30 प्रतिशत तक सुधार लिया है। एचपी एसोसिएशन के प्रतिनिधि के अनुसार, एक दो दिन में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

राज्य में साढ़े सात सौ एचपी डीलर

राज्य में एचपी के साढ़े सात सौ डीलर हैं। सर्वर में तकनीकी खराबी आने को लेकर साइबर अटैक करने की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन एचपी प्रबंधन ने किसी भी तरह का साइबर अटैक होने की बात से इंकार किया है। सर्वर में किस तरह की खामी आई थी, इसे लेकर एचपी प्रबंधन ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। साथ ही जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल होने का दावा किया है।

महज 20 प्रतिशत टैंकरों में भर पा रहे ऑयल

सर्वर में तकनीकी खराबी आने की वजह से डिपो में महज 20 प्रतिशत टैंकरों में पेट्रोल, डीजल भरा जा रहा है। इसकी वजह, जो ऑनलाइन सिस्टम से काम होता था, उसे मैनुअल तरीके से करना पड़ रहा है। हालांकि रविवार को स्थिति में सुधार होने का दावा किया गया है।

मशीन से अरमान नाले की सफाई शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के 4 वार्डों के रिहाइशी इलाकों में जलभराव का कारण बन रहे अरमान नाले की मशीन से सफाई का कार्य रविवार से शुरू हो गया है। नाले में भारी मात्रा में कचरा और तल तक सील्ट की मोटी परत जमने से उसकी तल तक सफाई टेल एंड तक करने की जरूरत है। पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड पार्षद आकाश तिवारी ने रविवार को जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के साथ अरमान नाला का निरीक्षण कर तल तक एक छोर से दूसरे छोर तक सफाई कराने के लिए कहा है, ताकि बारिश के समय चार वार्डों के रहवासियों को जलभराव से राहत मिल सके। अरमान नाले की बारिश पूर्व सफाई में निगम प्रशासन जुट गया है। अरमान नाला बारिश के समय शहर के पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड, गुरु गोविंद सिंह वार्ड, कालीमाता वार्ड और शंकरनगर वार्ड को प्रभावित करता है। पार्षद आकाश तिवारी ने बताया कि विगत कई वर्षों से नई बस्ती में बारिश के समय जलभराव होता है। इसलिए अभी से उचित प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि आने वाले दिनों में बस्ती के रहवासियों को जलभराव की समस्या से जूझना न पड़े। इसके लिए अरमान नाले का पूरी प्लानिंग के साथ सफाई कार्य शुरू कराया गया है।

- पार्षद आकाश तिवारी ने जोन 4 कमिश्नर के साथ किया निरीक्षण

ई-व्हीकल चार्जिंग से नगर निगम को 8 माह में 2.50 लाख की कमाई

दिल्ली की अनुबंधित एजेंसी जीवा ने शहर के 4 स्थानों पर स्थापित किए हैं ई-चार्जिंग स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम ने अब ई-व्हीकल चार्जिंग स्टेशन से आमदनी का जरिया जुटा लिया है। पिछले 8 माह में नगर निगम को इससे 2.50 लाख रुपए कमाई हुई। चार्जिंग कराने वालों से दिल्ली की कंपनी 18 रुपए प्रति यूनिट शुल्क ले रही है। इसमें नगर निगम का हिस्सा 10 रुपए और कंपनी की जेब में 8 रुपए जा रहे हैं। अनुबंधित कंपनी ने फिलहाल शहर के 4 स्थानों पर ई-व्हीकल के लिए चार्जिंग स्टेशन खोला है।

- 18 रुपए प्रति यूनिट चार्जिंग शुल्क, 8 रुपए कंपनी को 10 रुपए निगम के हिस्से में

दरअसल इको फ्रेंडली सुगम आवागमन को बढ़ावा देने शहर में ई-व्हीकल का प्रचलन बढ़ा है। इसे देखते हुए रायपुर नगर निगम ने दिल्ली की एजेंसी जीवा के साथ अनुबंध किया है। अनुबंधित एजेंसी ने शुरुआत में फोर व्हीलर ई-व्हीकल धारकों के लिए शहर में निगम मुख्यालय परिसर भाठागांव के पास स्थित इंटरस्टेट बस टर्मिनल, जयस्तंभ चौक के पास स्थित मल्टीलेवल पार्किंग और कलेक्टोरेट के पास स्थित हाईटेक मल्टीलेवल पार्किंग के पास ई-व्हीकल चार्जिंग के लिए सुविधा दी है, ताकि ई-व्हीकल चालक अपनी गाड़ी आसानी से रीचार्ज करा सकें।

15वें वित्त आयोग से मिली राशि से चार्जिंग स्टेशन

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, नगर निगम ने 15वें वित्त आयोग से मिली राशि से शहर में 4 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। इसके संचालन व संधारण के लिए निगम ने दिल्ली की कंपनी जीवा के साथ अनुबंध किया है। हालांकि इसकी शुरुआत अभी फोर व्हीलर ई-व्हीकल से की गई है। अच्छा रिस्पांस मिलने पर आने वाले दिनों में थ्री व्हीलर चालकों के लिए भी ई-व्हीकल की चार्जिंग कराने सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

नई दिल्ली में आयोजन, देशभर के 100 से अधिक व्यापारी नेता भाग लेंगे

देश के खुदरा व्यापार पर कब्जे की साजिश के खिलाफ 16 मई को दिल्ली में कैट की राष्ट्रीय संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश के करीब 140 करोड़ के सालाना खुदरा व्यापार पर कब्जे की साजिश के विरोध में कैट की राष्ट्रीय संगोष्ठी 16 मई को दिल्ली में होने जा रही है, जिसमें देशभर के 100 से अधिक व्यापारी नेता भाग लेंगे।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया कि ई-कामर्स और क्विक कामर्स कंपनियों की चालों का सामना करने 16 मई को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी में देशभर के 100 से अधिक व्यापारी नेता हिस्सा लेंगे। इसका आयोजन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स द्वारा किया जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कांफ्रेंस में इस मुद्दे पर मुख्य वक्तव्य देंगी। श्री पारवानी ने बताया कि इस कांफ्रेंस में केवल व्यापारी ही नहीं, बल्कि स्वदेशी उत्पादों के समर्थक, ट्रांसपोर्ट, लघु उद्योग, एमएसएमई, उपभोक्ता संगठन, महिला उद्यमी, किसान, स्टार्टअप, कर्मचारी संगठनों समेत व्यापार के विभिन्न सेक्टर भी भाग लेंगे। सभी मिलकर इन विदेशी पूंजी पोषित कंपनियों के षडयंत्रों को उजागर करने और देशव्यापी अभियान चलाने की एक संयुक्त रणनीति तय करेंगे। कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने कहा कि यह कांफ्रेंस अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि व्यापार और उद्योग के विभिन्न सेक्टर्स अब एक मंच पर आकर इन कंपनियों को सीधी चुनौती देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों ने अब तक मोबाइल और मोबाइल एसेसरीज, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, किराना, इलेक्ट्रॉनिक्स, खिलौने, वस्त्र, परिधान, जूते-चप्पल, खाद्य सामग्री, रेस्तरां और होटल्स जैसे कई प्रमुख व्यापार क्षेत्रों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। वहीं व्यापार के अन्य क्षेत्रों पर भी ये कंपनियां कब्जा करने की कोशिश में जुटी हैं।

जमकर विरोध करें व्यापारी

श्री पारवानी एवं श्री जैन ने दो टूक कहा कि अब समय आ गया है, जब इन कंपनियों की अनैतिक व्यापारिक गतिविधियों का देशभर के व्यापारी जमकर विरोध करें, ताकि देश के खुदरा व्यापार को इनकी गिरफ्त से बचाया जा सके। यह कॉन्फ्रेंस एक निर्णायक कदम होगी, जिससे निकली रणनीति के आधार पर देशव्यापी जागरूकता और विरोध अभियान की शुरुआत की जाएगी।

आवश्यकता है

ड्राइवर - 1 पद
इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा एवं ड्राईविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करें
समय : सुबह 10 से शाम 6 बजे
एच.आर. विभाग
हरिभूमि inh... पुजारी पार्क के सामने, टिकरापारा, रायपुर

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 12 मई 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

'संडे मूवी मस्ती' में पहले दिन रेड-2 ...

जॉब अलर्ट

प्रादेशिक सेना अधिकारी पदों पर भर्ती शुरू, 10 जून तक कर सकेंगे आवेदन

रायपुर। प्रादेशिक सेना ने देशभर में अधिकारी पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। नागरिक उम्मीदवारों के लिए प्रादेशिक सेना अधिकारी परीक्षा अधिसूचना 12 मई को आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। वे सभी उम्मीदवार जो अधिकारी पदों के लिए तैयारी कर रहे हैं, वे प्रादेशिक सेना की आधिकारिक वेबसाइट- https://territorialarmy.in पर विस्तृत भर्ती अधिसूचना डाउनलोड कर सकेंगे। प्रादेशिक सेना 2025 भर्ती अभियान के बारे में सभी महत्वपूर्ण विवरण मिलेंगे, जिसमें आवेदन प्रक्रिया, महत्वपूर्ण तिथियां, आवेदन शुल्क, आयु सीमा, योग्यता, रिक्तियों की संख्या, वेतनमान और महत्वपूर्ण लिंक शामिल हैं। आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित संक्षिप्त सूचना के अनुसार, विस्तृत अधिसूचना इसी महीने में जारी की जाएगी।

19 पदों पर होगी भर्ती

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आधिकारिक वेबसाइट पर 12 मई से शुरू होकर 10 जून 2025 तक जारी रहेगी। इन पदों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपेक्षित परीक्षा शुल्क देना होगा। उम्मीदवारों को वेबसाइट पर निर्धारित तरीकों से 500/- (केवल पांच सौ रुपए) का शुल्क देना होगा। किसी अन्य तरीके से शुल्क का भुगतान न तो वैध है और न ही स्वीकार्य है। निर्धारित शुल्क/तरीके के बिना जमा किए गए आवेदनों को सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा। भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 19 रिक्तियां भरी जानी हैं। 19 पदों में से 18 पुरुष और 01 महिला उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध हैं। आवेदकों को आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध पदों के विवरण के लिए अधिसूचना लिंक की जांच करने की सलाह दी जाती है।

लोगों की सेवा करने शहर की नर्सेस ड्यूटी के अलावा दिखा रहीं सहृदयता

आपको क्या तकलीफ है, इस सवाल से 30 साल पुराना नाता, बुजुर्गों को दे रहे घर पहुंच सेवा

"'जब भी कोई तकलीफ में किसी अस्पताल में प्रवेश करता है, तो आपको क्या तकलीफ है। इस सवाल से जुड़ने का पहला प्रयास नर्सेस करती हैं। जैसे ही पता चलता है कि रोगी किस तरह की स्थिति में यहां पहुंचा है, तो संबंधित चिकित्सक तक पहुंचाने में सेतु की तरह सहृदया से जुड़ती हैं। इनका सम्मान दिन विशेष पर नहीं, हर दिन, हर इंसान के मन होना चाहिए। जब वे घर में अकेले रहने वाले बुजुर्गों को घर पहुंच सेवा देती हैं, तो जॉब के साथ बेटी का भी धर्म निभाती हैं। इनमें उमा स्वामी तो 30 साल से कई संस्थाओं में नि:शुल्क सेवा देती है।'

रायपुर। इस कड़ी में कुछ महीने पहले आयुर्वेद महाविद्यालय ने नई पहल की है। समन्वयक डॉ. त्रिभुवन सिंह पावले के साथ नर्स पूजा कोठारी, दिली निषाद, मानसी चौधरी और उमा स्वामी भी सेवा देती हैं। इन नर्सेस की सेवा से हर महीने करीब 50 बुजुर्गों को मदद मिलती है। मानसी ने बताया कि कारुण्य अर्थात आयुष पेलियेटिव केयर की श्रृंखला में हम लोग उन पीड़ितों तक पहुंचते हैं, जिन्हें कोई अस्पताल लाने वाला नहीं है। जिनके परिवार के लोग उनसे दूर रहते हैं, इस तरह के बुजुर्ग घर पहुंच सेवा का हिस्सा हैं। इनके पास जाने और उनकी पीड़ा को कम करने के लिए दवा एवं सलाह देते हैं। किसी तरह की समस्या होने पर उन्हें एडमिट करके इलाज करते हैं। इससे बुजुर्ग माता-पिता से लगाव होने से उनकी पीड़ा का एहसास होता है।

दिव्यांग बच्चों को दे रहीं स्वास्थ्य सेवा

अंतर्राष्ट्रीय नर्स डे

1995 में बतौर नर्स स्टाफ भर्ती हुई, तब लोग सही तरीके से अपनी समस्या भी नहीं बता पाते थे। उनसे बात करके समस्या को जानने में ही समय लगता था। अब लोग बेझिझक जो भी स्वास्थ्य से जुड़ी पीड़ा होती है, उसे बता देते हैं। यह कहना है, विगत 30 वर्षों से नर्स के रूप में सेवा देने वाली उमा स्वामी का। वह बताती हैं कि आने वाले लोगों से आपको क्या तकलीफ है, इस सवाल से जुड़ने का नाता तीन दशक पुराना है। इस सेवा के बीच जाने कितने ही ऐसे लोग जुड़ गए हैं, जो किसी बीमारी से पीड़ित होने पर फोन करके समस्या बताते हैं। अकेले रहने वाले बुजुर्गों की नि:शुल्क सेवा के साथ ही ड्यूटी के बाद लाखेनगर चौक के पास स्थित घरौंदा आश्रम में समय-समय पर शिविर लगाने के साथ ही दवाओं के सेवन से बच्चों में कितना सुधार हुआ, यह उनसे बात करके जानने का प्रयास करती हूं।

इस तरह की समस्या के लिए सेवा

कारुण्य की सेवा शय्या ग्रस्त एवं गंभीर रोग से पीड़ित रोगी को दिया जाता है। जीवन शैली संबंधी रोग, मानसिक रोगियों के साथ ही कैंसर, स्ट्रोक या रीढ़ की हड्डी की चोटें भी घर पहुंच सेवा का हिस्सा है। इस घर पहुंच सेवा को हर बुजुर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इसके डीडी नगर क्षेत्र में 30 बुजुर्ग ऐसे हैं, जो अस्पताल आना-जाना नहीं कर सकते हैं। ऐसे बुजुर्गों की सेवा के लिए नर्सेस काम करती हैं।

इलाज के लिए भर्ती भी करवा रहे

नर्स दीपा चौहान बताती हैं कि घर जाने पर बुजुर्ग कराहते मिलते हैं। जिनकी स्थिति घर में इलाज करने लायक नहीं होती है, ऐसे पेशेंट को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करते हैं। स्वस्थ होने पर उन्हें घर पहुंचाने का दायित्व भी निभाते हैं। इसके अलावा शहर में कई ऐसी संस्थाएं हैं, जो समय-समय पर खुद फोन करके शिविर में सेवा देने के लिए बुलाने से समय दान भी करते हैं, ताकि लोग स्वास्थ्य के लिए सजग रहे।

संस्थाओं के साथ मिलकर शिविर

नर्स के रूप में सेवा देने के साथ ही कई संस्थाओं के साथ मिलकर स्वास्थ्य शिविर लगाती हूं। नर्स उमा ने बताया कि वनवासी आश्रम, बुजुर्गों के लिए शिविर का आयोजन करने से ऐसे बुजुर्ग माता-पिता मिलते हैं, तो इलाज का खर्च वहन नहीं कर सकते हैं। ऐसे लोगों की मदद के लिए सरोकार से जुड़ी संस्था की मदद से सहयोग करने का माध्यम भी बनते हैं।

सिटी इवेंट

संगीत समारोह में सुरों की साधना शास्त्रीय रचनाओं ने बांधा समां

रायपुर। पंडित गुणवंत माधवलाल व्यास जी की 86वीं जयंती के अवसर पर दो दिवसीय 'गुनरस पिया संगीत समारोह' का आयोजन किया गया। इस समारोह का उद्घाटन पूर्व आईएएस अधिकारी अनुराग पाण्डे और प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. एच. पी. सिन्हा ने दीप प्रज्वलन और गुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत कु. जीवा तिवारी द्वारा राग बिहाग में रचित सरस्वती स्तवन 'जय शारदे सरस्वती माता' की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद, कौशल महंत द्वारा रचित और दीपक व्यास द्वारा स्वरबद्ध गुरुवंदन 'वाग्देवी के वरद पुत्र, संगीत शास्त्र के ज्ञाता थे...' को संस्थान के सभी सदस्यों ने समवेत स्वर में प्रस्तुत किया।

विभिन्न वाद्य यंत्रों संग की संगत

इस प्रस्तुति में सुशील गोल्हानी ने तबले और विनोद संघवी ने कीबोर्ड पर संगत दी। आमंत्रित कलाकारों में श्रीमती नीरजा वाघ, डॉ. सानिका रूईकर, विशाखा मंगदे और ईशान बेलगे ने पंडित व्यास की विभिन्न शास्त्रीय रचनाओं की प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों में तबले पर ताल मणि अशोक कुर्म और संवादिनी पर लालाराम लोनिया ने संगत की। समारोह में उपस्थित संगीत प्रेमियों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया और गुरुजी की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की।

भैरवी राग पर आधारित कोरस गायन की प्रस्तुति

समारोह में शास्त्रीय संगीत की अनुपम प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सानिका रुईकर ने राग श्याम कल्याण में रचना 'रिद्धि सिद्धि समृद्धि दाता' की प्रस्तुति से की, जो त्रिताल में निबद्ध थी। इसके बाद नीरजा वाघ ने मारूबिहाग राग में 'दिन रैन सतावे' रचना को एकताल में प्रस्तुत कर खूब सराहना पाई। विशाखा मंगदे ने राग दुर्गा में 'जगत जननी' और हंसध्वनी में 'सरस सूर दे' जैसी रचनाएं त्रिताल में गाकर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। वहीं, ईशान बेलगे ने कलावती में 'जा रे जा रे' और हंसध्वनी चतुरंग की त्रिताल बंदिशों से सभी को प्रभावित किया। डॉ. सानिका ने मधुकौंस में 'लागी प्रीत तुमसो' की मधुर प्रस्तुति दी, जबकि राग चंद्रकौंस में 'बजावे मुरली की तान' का मधुर स्वर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर गया। समापन में भैरवी राग पर आधारित सरगम व तराना का कोरस गायन प्रस्तुत किया गया।

गोवा में बिखेरा फैशन का जलवा, 15 में 6 बनीं विनर्स

रायपुर। जो महिलाएं किसी वजह से अपनी प्रतिभा के अनुरूप काम नहीं कर पाईं, ऐसी महिलाओं ने शादी के बाद परिवार के सपोर्ट से एसएस फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंडिया इंटरनेशनल 2025 में भाग लिया। जिसमें शिखा साहू की अगुवाई में 15 प्रतिभागियों का चयन किया गया। इनमें से 6 प्रतिभागियों ने सोनास्ता इनंस गोवा में फैशन का जलवा बिखेरा। उन्होंने वीआईपी रोड स्थित एक होटल में वार्ता के दौरान अपने अनुभव को साझा किया। इस दौरान शिखा साहू ने बताया कि अगर परिवार के लोग सपोर्ट करें, तो कई ऐसी नई प्रतिभाएं सामने आएंगी, जो फैशन डिजाइन के क्षेत्र में बेहतर काम कर सकती हैं। इससे कॅरियर के लिए नए अवसर भी मिलेंगे। मिसेस कैटेगरी में रोली सिंह मिसेस इंडिया इंटरनेशनल, तो कनिष्का मिसेस इंडिया यूनिवर्स चुनी गईं।

सेलिब्रेटी गेस्ट के बीच मिला सम्मान

वार्ता में मधु प्रेमा ने बताया कि मुझे मिसेस इंडिया अर्थ, अर्पणा वर्मा क्लासिक मिसेस इंडिया इंटरनेशनल, दीपिका फर्स्ट रनरअप तो प्रिया उपाध्याय सेकंड रनरअप रहीं। उन्होंने बताया कि उस मंच तक पहुंचाने में फाउंडेशन का बड़ा सहयोग रहा। वंशिका शर्मा मिसेस इंडिया आइकॉन और मिस कैटेगरी में भव्या वैष्णव मिस इंडिया इंटरनेशनल बनीं। दामिनी देवांगन मिस इंडिया यूनिवर्स, लिकेश्वरी बंजारे मिसेस इंडिया अर्थन चुनी गईं। निर्णायक के रूप में अंकिता शर्मा, प्रतिभा कांबले, दीपांशी घोष, माही सवारिया, देव श्रीवास ने अहम भूमिका निभाई। सेलेब्रिटी गेस्ट महक चहल, पल्लवी कौशिक प्रोफेशनल यूमर रहीं।

व्यक्ति के विनाश का कारण उसका अहंकार, झुक जाना ही सर्वश्रेष्ठ

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया है। जहां व्याख्याता ने बताया कि आचरण, व्यवहार और सोच को रचनात्मक बनाकर बुरी आदत को दूर करना ही व्यक्तित्व का विकास है। शारीरिक, बौद्धिक और व्यक्तित्व विकास के लिए राजयोग मेडिटेशन की साधना उपयोगी है। जीवन में सम्मान एवं आज्ञाकारिता का महत्व जानकारी मुख्य व्याख्याता ब्रह्माकुमारी सविता दीदी द्वारा दी गई, जिन्होंने कहा कि हमें अपने बड़ों का आदर करना चाहिए और उनकी आज्ञा का पालन करना हमारा परम कर्तव्य है। इससे न केवल बड़े-बुजुर्गों की, बल्कि भगवान की भी दुआएं मिलती हैं। व्यक्ति का अहंकार ही उसके विनाश का कारण होता है, अक्सर झुककर चलना ही सर्वश्रेष्ठ माना गया है।

रोजाना डायरी लिखने की आदत बनाएं

आंतरिक स्वरूप को निखारने के लिए दिव्य गुणों और मानवीय मूल्यों का होना जरूरी है। संचालिका सविता दीदी ने कहा कि किसी की सफलता को देखकर उससे ईर्ष्या न करें। एक सफल व्यक्ति हमेशा प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहता है, बचपन से ही जीवन में कोई लक्ष्य अवश्य निर्धारित करें। लक्ष्य निर्धारित करने से आगे बढने का मार्ग सुनिश्चित हो जाता है।

टैलेंट और फैशन में छाए बच्चे, भारतीय परिधान थीम पर किया रैम्प वॉक

फैशन में मां-बच्चों के बीच दिखा अटूट रिश्ता, रैम्प पर दिखी प्यार की परछाई

कार्नर न्यूज

रायपुर। मदर्स डे के खास मौके पर मेग्नेटो मॉल में शहर की मांओं और बच्चों के लिए एक यादगार फैशन रैम्प वॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की खास बात रही कि मांओं और बच्चों ने एक साथ रैम्प वॉक किया, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया। रैम्प पर भारतीय पारंपरिक परिधान, इंडियन वेयर, वेस्टर्न ड्रेस और मैचिंग आउटफिट्स की थीम्स में प्रतिभागियों ने स्टाइल और आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति दी। हर मां और बच्चा फैशन और ममता के रंग में डूबा नजर आया।

फैशन और टैलेंट का दिखा जलवा

कार्यक्रम में फैशन और टैलेंट का अनोखा संगम देखने को मिला। रैम्प विद मदर प्रतियोगिता में रिया और सोनम रमानी की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, प्रोजा और कोजल हेमानी रनर-अप रहीं। फैमिली रैम्प शो में पंजवानी फैमिली ने बाजी मारी और विजेता बनी, जबकि रागिनी गोगिया फैमिली को रनर-अप घोषित किया गया। किड्स डांस टैलेंट प्रतियोगिता में श्रेया ने बेहतरीन डांस परफॉर्मेंस के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया और प्रज्वा को द्वितीय स्थान मिला। इस आयोजन ने न केवल मां-बच्चों के रिश्ते को खूबसूरत अंदाज में मंच पर उतारा, बल्कि बच्चों की कला और आत्मविश्वास को भी उजागर किया।

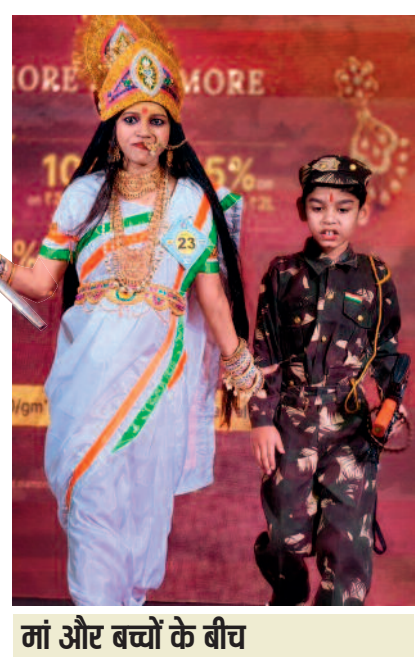

मां और बच्चों के बीच अटूट रिश्ते का जश्न

इस आयोजन ने न सिर्फ मांओं के स्नेह और बच्चों के साथ उनके अटूट रिश्ते का जश्न मनाया, बल्कि रायपुर के फैशन और पारिवारिक संस्कृति को भी एक नई पहचान दी। कार्यक्रम में शामिल दर्शकों और प्रतिभागियों ने आयोजन की जमकर सराहना की और इसे भरपूर एंजॉय किया। इस खास मौके पर सभी मांओं को विशेष गिफ्ट्स और सर्टिफिकेट्स देकर सम्मानित भी किया गया।

सिटी इवेंट

सेना के शौर्य-पराक्रम को बढ़ाने मंदिर में किया सिद्ध विजय हवन

रायपुर। ब्राह्मण सामाजिक संगठन समग्र ब्राह्मण परिषद् द्वारा रविवार को भारतीय सेना के लिए पूजा -हवन किया गया। सेना के अदम्य साहस एवं शौर्य को अपराजेय बनाए रखने के लिए पुरानी बस्ती के श्री महामाया देवी मंदिर में रामचरित मानस, सुंदरकांड का पाठ एवं सिद्ध विजय हवन किया गया। संगठन की प्रदेश सचिव अर्चना दीवान एवं श्रीकांत तिवारी ने इस आयोजन के विषय में जानकारी दी। बताया कि राष्ट्र एवं मानवता की रक्षा के लिए जिम्मेदारी पूर्ण युद्ध करके आतंकवाद का खात्मा भारत करना चाहता है। इस उद्देश्य से भारत की सेना के शौर्य और पराक्रम को अपराजेय बनाए रखने के लिए सभी जिलों में संगठन के सहयोगियों द्वारा हनुमान आराधना, सुंदरकांड का पाठ एवं सिद्ध विजय हवन किया गया।

पूजन के बाद सावधान की मुद्रा में राष्ट्रगान

संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डा. भावेश शुक्ला पराशर एवं प्रदेश संयुक्त सचिव पं. सजल तिवारी ने बताया कि राष्ट्र हित के लिए आराधना यज्ञ में श्रीराम भक्त अंजनी पुत्र महाराज से भारतीय सेवा के जवानों के शौर्य एवं पराक्रम को बनाए रखते हुए उनके प्राणों की रक्षा एवं भारत विजय के लिए प्रार्थना की गई। सुंदरकांड पाठ के बाद सहयोगियों ने अपराजिता स्त्रोत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र द्वारा आहुति दी। इसके बाद हनुमान जी की आरती हुई। अंत में सभी सहयोगियों ने सावधान की मुद्रा में राष्ट्रगान गाया। राजेश्वरी शर्मा, खुशबू शर्मा, नमिता शर्मा, संध्या उपाध्याय, प्रीति तिवारी, कीर्तिका तिवारी, पं. उमाकांत तिवारी इसमें शामिल हुए।

धर्म लाइव

शिविर में साधकों ने किया योग, समझा आयुर्वेद और जीवनमूल्यों का ज्ञान

रायपुर। पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार से पधारे परम पूज्य स्वामी रामदेव महाराज द्वारा दीक्षित संन्यासी नरेंद्रदेव के मार्गदर्शन में सेजबहार गार्डन, रायपुर में त्रिदिवसीय निःशुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रतिदिन 150 से 200 साधकों ने भाग लिया और योग, प्राणायाम, ध्यान, प्राकृतिक जीवनशैली, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों की जानकारी, संगीतमय योग, यज्ञ, निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों का लाभ उठाया। शिविर के दौरान वरिष्ठ नागरिक योग साधकों का सम्मान किया गया और पतंजलि जिला कार्यकारिणी समिति के 35 पदों का पुनर्गठन भी किया गया। साधकों को सेवा, समर्पण, संतोष और स्वाध्याय जैसे जीवनमूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी गई।

वैदिक मंत्रोच्चार के रवाना हुई साइकिल यात्रा

समापन दिवस पर रायपुर से रामेश्वरम के लिए 'गट एंड माइंड कनेक्शन' और 'पेड़ लगाओ–पर्यावरण बचाओ' जैसे संदेशों को लेकर सह-जिलाप्रभारी अमित की साइकिल यात्रा को वैदिक मंत्रोच्चार व मंगल आशीर्वाद के साथ रवाना किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में राज्य प्रभारी संजय अग्रवाल, राज्य संगठन महामंत्री श्री राम, सेवा व्रती निधिश्री, राज्य कोषाध्यक्ष संजय, भारत स्वाभिमान अध्यक्ष राकेश, किसान सह राज्य प्रभारी निकेश तथा जिला कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहयोग किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में रत्ना बहन, शशि बहन और सुरेश जी के योगदान के लिए विशेष आभार प्रकट किया गया।

हरिभूमि–आईएनएच ने पाठकों और दर्शकों के लिए किया आयोजन

'संडे मूवी मस्ती' में पहले दिन रेड–2 देखने उमड़ी भीड़, नई थीम से सजा फिल्म उत्सव

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज द्वारा पाठकों और दर्शकों के लिए 'संडे मूवी मस्ती' का आयोजन किया है। रविवार को पहले दिन सुबह 8 बजे रेड-2 फिल्म दिखाई गई। इस दौरान पाठकों व दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सुबह समय से पहले ही लोगों की भीड़ कलर्स मॉल में देखने को मिली। जिसमें युवा, महिलाएं, बुजुर्ग शामिल हुए।

रायपुर। गर्मियों की छुट्टियों में मनोरंजन और परिवार के साथ समय बिताने के उद्देश्य से लगातार 7-8 सालों से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज चैनल बड़े स्तर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन कराता है। हर साल की तरह 'संडे मूवी मस्ती' के दौरान सिनेमा हॉल दर्शकों से खचाखच भरा रहा। वहीं, दूसरे सप्ताह में भी पाठकों एवं दर्शकों को रोचक और हास्य से भरपूर फिल्मों का टिकट मुफ्त वितरण किया जाएगा। समय से पहले ही कलर्स मॉल पहुंचे लोगों में भरपूर उत्साह देखा जा सकता था, जो फिल्म शुरू होने से पहले ही अपनी-अपनी सीटों पर पहुंच गए। पाठकों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मूवी मस्ती का इंतजार रहता है, जिसके लिए बीते कई महीनों से इंतजार जारी है। युवाओं की टोली दोस्तों के साथ फिल्म देखने पहुंची, जिन्होंने ना केवल फिल्म देखी, बल्कि फिल्मी गाने पर डांस कर लुफ्त भी उठाया।

प्रयास से लोगों के चेहरे पर मुस्कान

कार्यक्रम के स्पॉन्सर और एवीके ग्रुप के सीईओ पोमेन्द्र कटरे भी कार्यक्रम के दौरान शामिल हुए, जिन्होंने बताया कि फिल्म की शुरुआत से ही लोगों में उत्साह देखा गया। यहां कई ऐसे बुजुर्ग व परिवार शामिल हुए हैं, जो जीवन में पहली बार बड़े स्तर पर फिल्म का लुफ्त उठा रहे। लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरना ही हमारा उद्देश्य है। दूसरे सप्ताह में भी लोकप्रिय फिल्म दिखाई जाएगी। इस मौके पर अगर कोई नई फिल्म रिलीज होती है, तो वह भी दिखाई जा सकती है। इस दौरान फिल्म का नाम लोगों के लिए रहस्य रहेगा, जिसे कुछ दिनों पहले ही बताया जाएगा।

पहली बार परिवार के साथ फिल्म देखने पहुंचा युवक

जगमोहन लाल साहू ने बताया कि वह पहली बार अपनी पत्नी और बेटी के साथ फिल्म देखने पहुंचा है। यह पहला अवसर है जहां परिवार के सभी सदस्यों को समय बिताने का मौका मिला। बीते 2-3 साल से हरिभूमि आईएनएच द्वारा आयोजित फिल्म फेस्टिवल में आने का मौका मिलता है। हर साल कुछ नया थीम के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिससे नयापन और फिल्म को लेकर उत्साह पहले ही देखने को मिलता है।

फिल्मी गाने पर झूमे युवा

हनी सिंग के मनी-मनी..गाने पर युवाओं का उत्साह देखने ही बन रहा था, जिन्होंने गाना बजते ही झूमना शुरू कर दिया। सफल आयोजन के दौरान परिवार के सदस्यों की उपस्थिति सबसे अधिक रही। इस दौरान कई बड़े-बुजुर्गों को पहली बार फिल्म देखने का मौका मिला है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अविनाश, सिंघानिया, रहेजा ग्रुप, कलिंगा युनिवर्सिटी, श्री नारायणा हॉस्पिटल, एनकेडी हॉस्पिटल, हरि स्वास्तिक ग्रुप, मोर हॉस्पिटल, न्यू भारत, सिंघानिया सरोवर, एनएमएच, यूएमएच, हर्षित सिंघानिया, श्रीनय हॉस्पिटल, रालास मोटर्स, ए एन ओटो मोबाइल जैसे कई संस्थान शामिल रहे।

हरिभूमि-आईएनएच का सराहनीय कार्य

संडे मूवी मस्ती के मुख्य अतिथि विधायक पुरंदर मिश्रा रहे, जिन्होंने हरिभूमि-आईएनएच न्यूज चैनल द्वारा आयोजित सामाजिक कार्य को सराहा। उन्होंने कहा, हरिभूमि संस्थान लगातार कई सालों से सामाजिक जनकल्याण के लिए कार्य करती आ रही, जिससे सामाजिक स्तर पर लोगों को जोड़ने का मौका मिलता है। इस पहल से कई परिवार को एक साथ फिल्म का आनंद लेने का मौका मिला। जिससे ना केवल लोगों के चेहर पर मुस्कान देखने को मिली, बल्कि परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का मौका भी मिला है।

श्री नारायण के नृसिंह अवतार ने भक्त को बचाने की लीला, उत्सव में छलका उत्साह

रायपुर। शहर के ऐतिहासिक प्राचीन मंदिरों में नृसिंह उत्सव पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रविवार को सूर्य अस्त के पश्चात भव्य शोभायात्रा और नाटक का मंचन किया गया। जहां भगवान नारायण का अवतार नृसिंह, हिरण्यकश्यप और प्रहलाद के बीच युद्ध व भक्ति दृश्य का मंचन किया गया। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ मौजूद रही, जो शाम होते-होते बढ़ने लगी। इस मौके पर हजार से अधिक श्रद्धालु भगवान नृसिंह के प्राकट्य उत्सव में शामिल हुए।

प्रकट्य उत्सव में श्रद्धालुओं की भीड़

ब्रम्हपुरी स्थित प्राचीन बिरंची नारायण मंदिर में भी हर्षोल्लास के साथ प्रकट्य उत्सव मनाया गया, जहां सुबह से देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर में दूध अभिषेक, हवन पूजन और महाभंडारे का आयोजन किया गया। वहीं, शाम को मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान पांच सौ से अधिक श्रद्धालुगण शोभायात्रा में शामिल होने पहुंचे।

गोपाल मंदिर से भव्य शोभायात्रा

ऐतिहासिक परंपरा के अनुसार पुष्टिकर ब्राम्हण समाज द्वारा भगवान नृसिंह उत्सव मनाया गया। रविवार को बूढ़ापारा स्थित भगवान नृसिंह मंदिर में सुबह से देर रात तक भव्य कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहा। इस मौके पर भक्तों का सैलाब भगवान नृसिंह और हिरण्यकश्यप का युद्ध देखने पहुंचे, जहां प्रहलाद का श्रीनारायण के प्रति आस्था देख दर्शकों के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, मंदिर में श्री नारायण का अवतार भगवान नृसिंह के प्राकट्य दृश्य को दर्शाया गया, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। गोपाल मंदिर से भगवान नृसिंह, हिरण्यकश्यप और प्रहलाद संग भव्य शोभायात्रा की शुरुआत की गई, जो सक्ती बाजार, गोकुल चंद्रा मंदिर, गणेश मंदिर होते हुए बूढ़ापारा स्थित मंदिर पहुंची।

भगवान नृसिंह का अवतार आस्था का विषय

भगवान नृसिंह के अवतार में साज-सज्जा आस्था का विषय है। नाटक की प्रस्तुति के दौरान लोगों का भगवान के प्रति प्रेम व आस्था भाव देख अलग ऊर्जा सा अहसास होता है। अशोक पुरोहित ने बताया कि बीते 2-3 सालों से भगवान नृसिंह के अवतार का किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। अधिक उम्र होने के बाद भी हर साल ऊर्जा और उत्साह के साथ नाटक का मंचन करता हूं। मंदिर के पुजारी ने बताया कि मंदिर में भगवान नृसिंह की प्रतिमा विराजमान है। सुबह 10 बजे 51 किलो दूध से अभिषेक के साथ महोत्सव की शुरुआत की गई। इस मौके पर मंदिर परिसर भक्तों की भीड़ से भरा रहा। मंदिर में पाकिस्तान के मुल्तान शहर में विराजमान भगवान नृसिंह के अवतार का स्वरूप विराजमान है।

भगवान और हिरण्य कश्यप के बीच युद्ध

भगवान विष्णु ने दैत्यों के राजा हिरण्यकश्यप से अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए आधे नर और आधे सिंह के रूप में नरसिंह अवतार लिया। यह दृश्य रहस्य से भरा रहा। भगवान के प्राकट्य होते ही राजा और भगवान नृसिंह के बीच युद्ध का दृश्य देखने को मिला। इस दौरान मंदिर के समक्ष सड़क पर नाटक का मंचन किया गया। जहां पहले राजा हिरण्यकश्यप लोगों को कपड़े के सोटे से मारते दिखे। यह दृश्य अपनी प्रजा को प्रताड़ित करने का रहा। जिसके बाद भगवान के रौद्र रूप से उसका विनाश किया गया।

देह के मर जाने के बाद नहीं होती चैतन्य की मृत्यु

रायपुर। विधानसभा परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत की अमृतमयी कथा का विस्तार करते हुए शंकराचार्य आश्रम बोरिया कला से पधारे डॉ. स्वामी इन्दुभवानन्द महाराज ने बताया कि वासनाओं से ही शरीर की सृष्टि होती है। श्री सुखदेव जी महाराज राजा परीक्षित को अंतिम उपदेश देते हुए कह रहे हैं कि राजन्, तुम यह निश्चित जान लो कि तुम्हारी मृत्यु नहीं होगी। मृत्यु तुम्हारे शरीर की होगी। मैं मरूंगा ऐसी भावना जिनकी होती है, उसको पशु बुद्धि माना जाता है। इस पशु बुद्धि का तुमको परित्याग कर देना चाहिए। तुम पुत्र, पौत्र के रूप में पुनः पैदा हो जाओगे, ऐसी बात भी नहीं है, क्योंकि आत्मा बीजांकुरवत नहीं है। यह तो अग्नि के समान है, जैसे कोई स्वप्न में अपना कटना मरना देखे, वैसे ही संसार जन्म-मरण है। जैसे घट के फूट जाने से आकाश नहीं फूटता है, वह पहले की तरह आकाश रहता है। वैसे ही देह के मर जाने के बाद चैतन्य की मृत्यु नहीं होती है, वह तो ज्यों का त्यों रहता है।

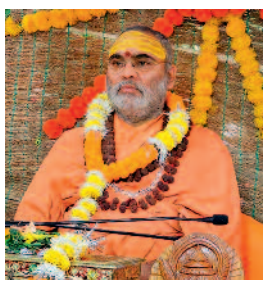

पोथी का पूजन और आरती की गई

सुखदेव जी महाराज का यह अंतिम उपदेश सुनकर राजा परीक्षित ने श्री सुखदेव जी महाराज का पाद्य अर्घ से विधिवत पूजन किया और अपनी आत्मा को परमात्मा में समाहित कर मुक्ति प्राप्त कर ली। तक्षक के आने पर केवल परीक्षित का तक्षक को शरीर ही मिला। कथा के पूर्व कथा के यजमान प्रभाशंकर मिश्रा एवं सुलोचना मिश्रा ने भागवत भगवान की पोथी का पूजन करके आरती संपन्न की। शंकराचार्य आश्रम के वैदिक विद्वान ने कर्मकांड विधि से आरती एवं पुषांजलि संपन्न कराई।

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित पूजा पंडाल में 56 व्यंजनों का माता को भोग

शोलापुरी माता की भावपूर्ण विदाई पारंपरिक वाद्ययंत्रों संग शोभायात्रा

रायपुर। शोलापुरी माता पूजा का उत्साह रविवार को भी रहा। दोपहर में माता को 501 किलो प्रसाद का भोग अर्पित किया गया। इसके पहले बाल पुजारियों व मुख्य पुजारी मोहन राव के मार्गदर्शन में 50 भोग अर्पित किया गया। इसके चलते पूजा पंडाल में दिनभर उत्सव का माहौल रहा। शाम को डब्ल्यूआरएस कॉलोनी क्षेत्र में जिस तरह से माता का स्वागत-सत्कार करते हुए लाया गया था, उसी तरीके से भावपूर्ण विदाई दी गई। इसके पहले पंडाल में महिलाओं ने माता से सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। श्रीश्रीश्री शोलापुरी माता पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष बी. श्रीनिवास राव, सचिव एम. वेंकट रमना, कोषाध्यक्ष एल. वेंकटेश्वर राव के मार्गदर्शन में उत्सव के अंतिम क्रम में माता की भावपूर्ण विदाई का भी आयोजन किया गया।

माता का स्वरूप लेकर निकले पुजारी

समिति के सलाहकार डी. गोविंद राव ने बताया कि पंडाल में मुख्य पुजारी मोहन राव के साथ तीन बाल पुजारी माता की नौ दिनों तक सेवा के बाद माता के स्वरूप को सिर पर धारण करके आगे चल रहे थे। शोभायात्रा में डीजे, ढोल, ताशा की धुन पर उत्साह से आगे बढ़ते हुए लोगों ने कालोनी क्षेत्र का भ्रमण किया। तय रूट बालाजी चौक, सुदामा चौक, आरबीएच कॉलोनी से होते हुए डब्ल्यूआरएस कॉलोनी मार्केट से इंदिरा नगर, डीजल शेड, प्रेमनगर का भ्रमण किया। इस दौरान घरों के सामने माता की पूजा- अर्चना के बाद शोभायात्रा आगे बढ़ी। क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद मंदिर में माता के स्वरूप को विधि-विधान से स्थापित करने के बाद इस आयोजन का समापन किया गया।

सिटी स्पोर्ट्स

कलारिपयात्तु में छत्तीसगढ़ को पहला स्वर्ण पदक दिलाया अर्जुन और अनन्त ने

रायपुर। खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में कलारिपयात्तु खेल में छत्तीसगढ़ को पहला स्वर्ण पदक कोरबा के अर्जुन और अनन्त ने दिलाया है। 7वीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन बिहार के अलग अलग स्थानों पर किया जा रहा है जिसके अंतर्गत ₹कलारिपयात्तु₹ मार्शल आर्ट खेल का आयोजन 11 से 13 मई को बिहार के गया शहर में किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ के 11 खिलाड़ियों सहित 15 सदस्यीय दल भाग ले रहा है।

ऊपरोक्त जानकारी देते हुए रायपुर जिला कलारिपयात्तु संघ के अध्यक्ष अनीस मेमन ने राज्य कलारिपयात्तु संघ के महासचिव कमलेश देवांगन के हवाले से बताया कि रविवार 11 मई को सम्पन्न लाठी इवेन्ट में कोरबा के अर्जुन कुमार चंद्रा और अनंत स्वर्णकार की टीम ने लाठी फाइट का शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ को पहला स्वर्ण पदक दिलाया तथा कोरबा जिले, छत्तीसगढ़ को गौरवांवित किया। यह पहला मौका हैं कि कलारिपयात्तु खेल में खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ ने स्वर्णिम छलाँग लगाई है। उन्होंने बताया कि सर्वाधिक 06 खिलाड़ी कोरबा से 04 खिलाड़ी बालोद जिले से और 01 खिलाड़ी रायपुर जिले से है। रायपुर से चयनित समिधा अग्रवाल स्थानीय विवेकानंद मार्शल आर्ट एकेडमी देवेन्द्र नगर के संचालक अमन यादव की शिष्या है।

छत्तीसगढ़ कलारिपयात्तु संघ पदक विजेता दोनो खिलाड़ियों, उनके माता-पिता और कोच सहित समस्त खेल प्रेमियों को बधाई दी है। छत्तीसगढ़ से शामिल खिलाड़ियों में कोरबा जिले से रागिनी-(तलवार-ढाल एवं डंडा फाइट), तवर्णा पटेल (तलवार-ढाल एवं डंडा फाइट), कृष सिंधु-(तलवार-ढाल),राज गुप्ता-(तलवार- ढाल) ,अर्जुन कुमार चंद्रक-(डंडा फाइट), अनन्त स्वर्णकार (डंडा फाइट), बालोद जिले से सोनम साहू (हाई किक), जिया (डंडा फाइट),साधिके दुबे (डंडा फाइट), हर्षदीप साहू (हाई किक), रायपुर जिले से समिधा अग्रवाल (चुवादुकल-फ्री हैंड बेसिक लेग मूमेंट) शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ टीम में बालिका वर्ग में रागिनी, तवर्णा पटेल, जैस्मिन, सोनम साहू, जिया जायसवाल, समिधा अग्रवाल, कृष सिंधु एवँ बालक वर्ग में राजू गुप्ता, अर्जुन कुमार चंद्रा, अनन्त स्वर्णकार एवं हर्षदीप साहू खिलाड़ी के रूप में भाग लेंगे वही कोच के रूप में कमलेश देवांगन (कोरबा) एवँ हरबंश कौर (बालोद) तथा मैनेजर के रूप मे लखन कुमार साहू (बालोद) एवँ टी. एन रेड्डी (खेल विभाग) प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

स्टेट पिकलबाल डबल्स चैंपियनशिप के पहले दिन रोमांचक मुकाबले

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पिकलबाल संघ द्वारा टर्फ 71 लक्की डबल्स टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे लगभग 60 महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भाग ले रहे है। प्रतियोगिता में पहले दिन लगभग 40 मुकाबले खेले गए।

मिक्स डबल्स

प्रेम एवं दिनेश्वरि ने अजय तांडी एवं संस्कृति को 11-8,विहार शरण भाटिया एवं सीमा जिंदल ने आगम अरोरा एवं फातिमा सर्वत को 11-1 से, अमन एवं सुजाता ने सीमा तायल एवं आदित्य को 11-2से, आरिश आगा चौबे एवं हैमिका ने कनिष्क एवं रीना को 11-2 से, वरुण एवं डॉ आनंदी ने सुरेश एवं आध्या अग्रवाल को 11-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

वुमेंस डबल्स

दिनेश्वरि एवं रीना ने संध्या एवं मनस्वी को 11-5 से, मुक्त मेरसा एवं भावना चौहान ने हैमिका एवं डॉ स्वाति को 11-10 से शिल्पी मटरेजा एवं अलका यादव ने डॉ आनंदी एवं सुजाता को 11-0 से, एवं सीमा तायल एवं संस्कृति तायल ने सीमा जिंदल एवं लवन्या जिंदल को 11-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मेंस डबल्स

अभिजर एवं मोनेश रितेश एवं फहीम को 11-7से, आरिश एवं हेमराज ने अजय तांडी और संकित को 11-4 से, अजय नायक और रोहीन ने रोहन और हेनरी को 11-0से, कनिष्क और अभिषेक ने हर्ष और आगम को 11-8से,अयान और प्रेमप्रकाश ने दुर्गेश और धनेश्वर को 11-8से, हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुचे।

हार्ट अटैक का खतरा लगातार बढ़ते जा रहे, नए लक्षण भी मिल रहे

लगातार अपच और थकान की शिकायत को न करें अनदेखा, मामला हो सकता है दिल से जुड़ा

आमतौर पर हार्ट अटैक की स्थिति में सीने में दर्द, पसीना आने, सांस लेने में तकलीफ सहित कई अन्य समस्याएं देखी जाती रही हैं। पर क्या आप जानते हैं कि बिना इन लक्षणों के भी आपको हार्ट अटैक हो सकता है?

क्रॉनिक बीमारियों का खतरा दुनियाभर में तेजी से बढ़ता जा रहा है, समय के साथ कम उम्र के लोगों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। क्रॉनिक बीमारियां वे स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं जो लंबे समय तक आपको परेशान करती रहती हैं। ये आम तौर पर एक वर्ष या उससे अधिक समय तक बनी रहती हैं। हृदय की बीमारियां इन्हीं का उदाहरण हैं जो लंबे समय तक और कई बार आजीवन बनी रहती हैं। हाल के वर्षों में हार्ट अटैक के कारण बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है।

आमतौर पर हार्ट अटैक की स्थिति में सीने में दर्द, पसीना आने, सांस लेने में तकलीफ सहित कई अन्य समस्याएं देखी जाती रही हैं। पर क्या आप जानते हैं कि बिना इन लक्षणों के भी आपको हार्ट अटैक हो सकता है? कुछ स्थितियों में पाचन की दिक्कत, उल्टी-मितली की समस्या बने रहना भी हार्ट अटैक का एक संकेत हो सकता है।

डॉक्टर्स ने कहा है कि अगर किसी को भी कुछ समय से इस तरह की दिक्कत बनी रहती है और सामान्य उपचार से इसमें राहत नहीं मिल रहा है तो हृदय रोगों की भी जांच करानी चाहिए। संभव है कि ये लक्षण साइलेंट हार्ट अटैक के हो सकते हैं।

साइलेंट हार्ट अटैक को लेकर भी रहें सावधान

साइलेंट हार्ट अटैक के एक ऐसे ही मामले का जिक्र करते हुए लखनऊ स्थित एक निजी अस्पताल में डॉक्टर अरविंद सिंह ने बताया कि हार्ट अटैक में हर बार सीने में दर्द हो या सांस लेने में तकलीफ हो ये जरूरी नहीं है।

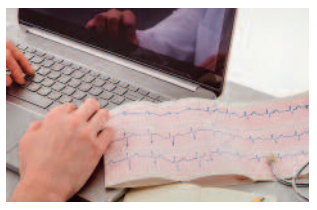

उन्होंने बताया, हाल ही में अस्पताल में एक मरीज आया जिसकी जांच में 65% तक की ब्लॉकेज देखी गई। मरीज को पिछले कुछ दिनों से अपच, खाने का मन न करने, अक्सर थकान रहने की समस्या थी। सामान्य दवाओं से जब आराम नहीं मिला तो उसकी जांच की गई जिसके आधार पर डॉक्टरों ने पाया कि उसे साइलेंट हार्ट अटैक था। ब्लॉकेज खत्म करने के लिए आगे की उपचार प्रक्रिया की गई।

अब सवाल उठता है कि हार्ट अटैक तो ठीक है, ये साइलेंट हार्ट अटैक क्या होता है?

डॉक्टर बताते हैं, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट होता है, साइलेंट हार्ट अटैक में हार्ट अटैक जैसे लक्षण स्पष्ट नहीं होते हैं। आमतौर पर हार्ट अटैक के लक्षण या कोई भी लक्षण नजर न आने के कारण साइलेंट हार्ट अटैक की पहचान समय पर नहीं हो पाती है। कई लोगों को अक्सर हफ्तों के बाद इसका पता चल पाता है, जब ब्लॉकेज की समस्या काफी बढ़ जाती है और शरीर में कई प्रकार की गंभीर दिक्कतें होने लग जाती हैं।

हार्ट अटैक और साइलेंट हार्ट अटैक में क्या अंतर है?

साइलेंट हार्ट अटैक और हार्ट अटैक दोनों में नसों में ब्लॉकेज के कारण हृदय में रक्त का प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है, इससे हृदय की मांसपेशियों को संभावित रूप से नुकसान होने का जोखिम रहता है। हालांकि, साइलेंट हार्ट अटैक में या तो कोई लक्षण नहीं होता या फिर ऐसे लक्षण दिखते हैं जिसकी पहचान नहीं हो पाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, साइलेंट हार्ट अटैक ज्यादा खतरनाक हो सकता है क्योंकि आमतौर पर इसकी पहचान नहीं हो

पाती है या फिर इसका पता तब चलता है जब ब्लॉकेज काफी बढ़ चुका होता है।

फिर इसकी पहचान कैसे की जाए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का अनुमान है कि हार्ट अटैक के कुल मामलों में से 22 से 30% तक साइलेंट हार्ट अटैक हो सकते हैं। महिलाओं या मधुमेह से पीड़ित लोगों में इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

साइलेंट हार्ट अटैक के लक्षण ऐसे होते हैं जिन्हें आप आमतौर पर हार्ट अटैक से जोड़कर नहीं देखते।

रिश्ता शुरू करने के साथ जान लें निभानें का भी तौर-तरीका

किसी के साथ प्यार की बातें करना तो बेहद आसान है, लेकिन उस रिश्ते को लंबे समय तक निभाना बेहद मुश्किल है। ज्यादातर लोग रिश्ते में आने के कुछ दिन बाद ही बोर होने लगते हैं। कई बार तो उनका रिश्ता कुछ गलतियों की वजह से कमजोर होने लगता है। इन गलतियों के कारण ही लोग रिश्ते की गहराई और उसकी ज़िम्मेदारियों को समझ नहीं पाते। यदि आप भी किसी से नया रिश्ता जोड़ने जा रहे हैं तो रिश्ते के कुछ नियमों को गांठ बांध लें। यदि आप इन बातों को गांठ बांध कर नहीं रिश्ते में कदम रखेंगे तो इससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा।

भरोसा है बेहद जरूरी

यदि रिश्ते में भरोसा न हो तो उसकी बुनियाद कमजोर हो जाती है। ऐसे में कभी भी अपने पार्टनर पर शक न करें। यदि कुछ गलतफहमी आपके बीच आ रही है तो पार्टनर से बैठ के उस बारे में बात करें और गलतफहमी को क्लियर करें। किसी भी रिश्ते में खुलकर बात करना बेहद जरूरी होता है। इससे आपस में समन्वय भी बढ़ता है।

फ्रीडम दें

हर रिश्ते में सामने वाले को स्पेस देना बेहद जरूरी होता है। ज्यादातर लोग हक जताने के चक्कर में सामने वाले को

डोमिनेट करने लगते हैं और उनकी आजाद को खत्म करने में लग जाते हैं। इससे रिश्ता कमजोर होने लगता है। अपने पार्टनर को स्पेस दें। उन्हें उनसे जुड़े फैसले लेने का पूरा हक है इस बात का हमेशा ध्यान रखें। ऐसा न करने पर पार्टनर का रिश्ते में दम घुटने लगेगा।

संवाद में पारदर्शिता रखें

यदि आप अपने पार्टनर से बातचीत नहीं करेंगे तो इससे संवाद में पारदर्शिता नहीं रहेगी। बात न करने से आपस में गलतफहमी हो जाती हैं। इसकी वजह से रिश्ते की नींव कमजोर होने लगती है। इसलिए पार्टनर से हर बारे ने खुलकर बात करें।

छोटी बातों का ध्यान करें

छोटी छोटी बातें आपके रिश्ते को मजबूत बनाने का काम करती हैं। जैसे कि उनसे पूछे कि खाना क्या ? तबियत कैसी है? अपना ध्यान रखना। इस तरह की बातें प्यार जताने का एक तरीका भी है। यदि आप ऐसा करेंगे को इससे आपके पार्टनर को अवश्य ही अच्छा लगेगा।

किसी ने न करें तुलना

तुमसे अच्छा तो मेरा ये दोस्त हैतुमसे अच्छा खाना मेरी मम्मी या बहन बनाती हैं। ये आउटफिट मेरी उस दोस्त पर ज्यादा अच्छा लगतायदि आप अपने पार्टनर की किसी से ऐसे तुलना करेंगे तो इससे उनका दिल दिखेगा। जो जैसा है उसे वैसे ही स्वीकार करें।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय न करें ये गलतियां, तरक्की में आ सकती हैं रुकावटें

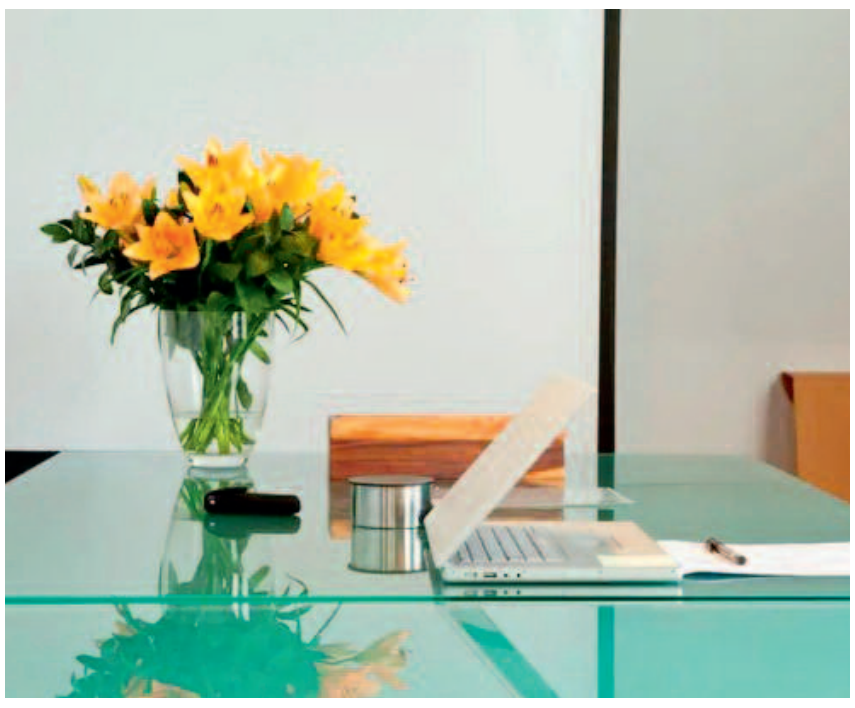

ऑफिस डेस्क पर फूल रखना बहुत अच्छा होता है, लेकिन अक्सर लोग ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय वास्तु से जुड़ी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण नकारात्मक परिणाम झेलने पड़ जाते हैं।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय इस बात का ध्यान रखें कि हमेशा फूलों का मुख आपकी तरफ हो यानी कि फूल आपकी ओर झुके हुए हों न कि किसी अन्य दिश की ओर, नहीं तो इससे सकारात्मकता दूसरी ओर चली जाती है और आपकी तरफ नकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय इस बात का ध्यान रखें कि फूल मुरझाए हुए न हों। अगर अप फूल रखते हैं तो उनके मुरझाने से पहले ही बदल लें नहीं तो इससे न सिर्फ नकारात्मकता बढ़ती है बल्कि वास्तु शास्त्र के अनुसार, सफलता प्राप्ति में भी दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय इस बात का ध्यान रखें कि फूल कांटेदार न हों। ऐसा इसलिए क्योंकि कांटेदार फूल का डेस्क पर होना नौकरी के मामलों में भी बार-बार संकटों के आने को दर्शाता है। अगर अप गुलाब रखते हों डेस्क पर तो उसके कांटे हटाकर फिर ही रखें।

ऑफिस डेस्क पर फूल रखते समय इस बात का ध्यान रखें कि फूल प्लास्टिक के न हों। वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक को अशुद्ध धातु बताया गया है, ऐसे में उससे बने फूलों ओ ऑफिस डेस्क पर रखने से राहु का दुष्प्रभाव पड़ता है और नौकरी में बाधाएं आनी शुरू हो जाती हैं।

ढाबा स्टाइल की शानदार लस्सी बनाएं, होगी तारीफ

लस्सी ज्यादातर ढाबों पर काफी अच्छी मिलती है, लेकिन हर रोज ढाबे की लस्सी पीना संभव नहीं है। ऐसे में यहां हम आपको ढाबा स्टाइल लस्सी बनाने का आसान तरीका बताएंगे, ताकि आप घर पर ही इसे तैयार कर पाएं।

लस्सी बनाने ताजा दही–1.5 कप,पिसी हुई चीनी–स्वादानुसार, ठंडा दूध–1/4 कप, बर्फ के टुकड़े–4-5, इलायची पाउडर,केसर या गुलाब जल,मिक्सर या मथनी,ऊपर से डालने के लिए दही की मलाई और ड्रायफ्रूट्स रखें। इसके लिए एक बड़े जग या बर्तन में ठंडा दही, चीनी, इलायची पाउडर, बर्फ के टुकड़े और थोड़ा दूध डालें। इसमें आपको दूध ज्यादा नहीं डालना है, वरना लस्सी पतली हो जाएगी, जिससे इसका स्वाद बिगड़ जाएगा। ढाबा स्टाइल लस्सी की सबसे अहम खासियत ही उसका गाढ़ापन है। सभी चीजों को एक बर्तन में या फिर मिक्सी के जार में डालकर अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करें। जब ये अच्छी तरह से ब्लेंड हो जाएगा तो इसमें झाग उठने लगेंगे। जब ये सही से ब्लेंड हो जाए तो लस्सी को गिलास में डालें। अब इसमें ऊपर से दही की गाढ़ी-गाढ़ी मलाई डालें और कटे हुए ड्रायफ्रूट्स से सजाएं। चाहें तो गुलाब जल या केसर के कुछ धागे भी डाल सकते हैं। बस लस्सी तैयार है। चाहें तो इसे थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख दें, उसके बाद ही परोसें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'गॉडजिला एक्स कॉन्ग' सीक्वल को 'सुपरनोवा' शीर्षक मिला

'गॉडजिला एक्स कॉन्ग' का सीक्वल है 'गॉडजिला एक्स कॉन्ग : सुपरनोवा'। इस फिल्म को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं और इसके टाइटल से लेकर इसकी स्टारकास्ट और रिलीज की तारीख का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'गॉडजिला एक्स कॉन्ग' के सीक्वल का नाम है 'गॉडजिला एक्स कॉन्गः सुपरनोवा'। यह फिल्म 26 मार्च, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। कंपनी ने एक छोटा टीजर वीडियो भी जारी किया है, जिसमें मोनार्क नामक संगठन का दफ्तर दिखाया गया है। मोनार्क विशाल राक्षसों (टाइटन्स) पर नजर रखता है। वीडियो में एक हॉटलाइन नंबर दिखाया गया है, जिस पर कॉल करके प्रशंसक संदेश सुन सकते हैं। संदेश में कहा गया है कि टाइटन्स की जानकारी देना दुनिया को सुरक्षित रखने में मदद करता है। "सुपरनोवा" मॉन्स्टरवर्स की छठी फिल्म है, जो 2024 की हिट फिल्म "गॉडज़िला एक्स कॉन्गः द न्यू एम्पायर" का सीक्वल है। अभिनेता डैन स्टीवंस ट्रैपर की भूमिका में वापस आएंगे और नए कलाकारों में कैटलिन डेवर, जैक ओ'कॉनेल, डेलरॉय लिंडो, मैथ्यू मोडिन, एलिसिया डेबनाम-केरी और सैम नील शामिल हैं। टीजर में ज्यादा कुछ नहीं दिखाया गया, लेकिन इसमें एरिजोना के सेडोना से एक कॉल आती है, जो "गॉडजिलाः किंग ऑफ द मॉन्स्टर्स" में स्काइला नामक राक्षस के जागने की जगह थी। वीडियो में गॉडजिला का बॉबलहेड और "कीप कोंग एंड सीरी ऑन" लिखा हुआ मग भी दिखाया गया है।

टॉलीवुड

चिरंजीवी-श्रीदेवी की फिल्म का आएगा सीक्वल, राम चरण के साथ जाह्नवी बनेगी की जोड़ी

मेगास्टार चिरंजीवी ने अपनी मशहूर फिल्म 'जगदेका वीरुडु अ थि लो का सुंदरी' के सीक्वल की संभावना पर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वह इसके सीक्वल में अपने बेटे राम चरण के साथ किस अभिनेत्री को मुख्य भूमिका में देखना पसंद करेंगे। खबर के अनुसार, हाल ही में चिरंजीवी ने एक इंटरव्यू में अपनी फिल्म 'जगदेका वीरुडु अथिलोका सुंदरी' के सीक्वल को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म के लिए राम चरण और जान्हवी कपूर की जोड़ी परफेक्ट होगी। इसके अलावा फिल्म को अश्विनी दत्त की बेटियों को प्रोड्यूस करना चाहिए और नाग अश्विन को राघवेंद्र राव के मार्गदर्शन में निर्देशन करना चाहिए। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक प्रोजेक्ट बताया। वहीं राम चरण ने भी फिल्म की दोबारा रिलीज के उत्सव में हिस्सा लिया और इसे एक खास मौका बताया। उन्होंने कहा कि वह बचपन में सुने गाने जय चिरंजीव जगदेका वीरा से बहुत प्रभावित थे। सीक्वल के बारे में पूछे जाने पर राम चरण ने मजाक में कहा कि दर्शक अब भी जानना चाहते हैं कि फिल्म के आखिर में अंगूठी और मछली का क्या हुआ। उन्होंने नाग अश्विन से इसका जवाब देने की मांग की।

फिल्म 'जगदेका वीरुडु अथिलोका सुंदरी' 9 मई, साल 1990 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को JVAS के नाम से भी जाना जाता है, 1990 की भारतीय तेलुगु -भाषा की फंतासी फिल्म का निर्देशन के राघवेंद्र राव ने किया है। इस फिल्म में चिरंजीवी और श्रीदेवी ने मुख्य भूमिका निभाई है, जबकि अमरीश पुरी, कन्नड़ प्रभाकर, अल्लू रामलिंगैया और रामी रेड्डी सहायक भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म का निर्माण सी. अश्विनी दत्त ने वैजयंती मूवीज के बैनर तले किया था। फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक अंगूठी मिलती है, जो पहनने वाले को बहुत शक्ति देती है, लेकिन जिस देवी ने अंगूठी खो दी थी, वह उसे वापस अपनी दुनिया में वापस जाने के लिए चाहती है।

भोजपुरी

भावुक कर देगी 'पैसे वाली बहू' की कहानी, लाचार भाई और मुन्ना रूबरू होंगे दर्शकों से

परिवार और रिश्तों से बढ़कर दुनिया में कुछ भी नहीं है। प्यार और जिम्मेदारी तब और बढ़ जाती है, जब कोई अपना लाचार हो। अजय कुमार के डायरेक्शन में बनी नई भोजपुरी फिल्म 'पैसे वाली बहू' दो भाइयों के एक ऐसे ही रिश्ते की भावुक कर देने वाली कहानी है। शुक्रवार, 9 मई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। चार मिनट 19 सेकेंड के इस ट्रेलर में संचिता बनर्जी, जय यादव, काजल त्रिपाठी और शुभ किशन शुक्ला जैसे दिग्गज कलाकार आपके दिल के हर तार को छेड़ने का काम कर जाते हैं।

'वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी' के यूट्यूब चैनल पर रिलीज इस ट्रेलर को जमकर देखा जा रहा है। कहानी एक परिवार और उससे कहीं आगे दो भाइयों की है। इसमें से एक भाई दिमागी रूप से कमजोर है। इसलिए दूसरे भाई की जिम्मेदारी और अधकि बढ़ जाती है। यह भाई अपने जिगर के टुकड़े की हर मुराद पूरी करना चाहता है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जो मंदबुद्धि भाई एक अमीर घर की शहर वाली लड़की को अपनी भाभी बनाने पर आमदा हो जाता है।

मनोज गुप्ता की लिखी इस भोजपुरी फिल्म की कहानी में जैसे-तैसे उस अमीर लड़की को मनाया जाता है।

पिछले सप्ताह जापान के कंसाई क्षेत्र स्थित नारा प्रान्त में "प्रबुद्ध"फैशन शो हुआ। जिसमें दस बौद्ध भिक्षुओं को कुल 1,500 मॉडलों में से चुना गया। इस शो की थीम ₹बी-बोज़ू₹ अर्थात ₹सुंदर बौद्ध भिक्षु₹ रखी गई थी। इन्होंने अलग-अलग तरह की ड्रेस-अप में कैटवॉक पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कोयासन शिंगोन संप्रदाय के युवा बौद्ध भिक्षुओं ने इस फैशन शो का आयोजन किया था।

इस एक नुस्खे से गायब हो जाएगी महीनों से जमा टैनिंग

टैनिंग एक ऐसी समस्या है, जिससे महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी परेशान रहते है। टैनिंग होने का मुख्य कारण धूप की हानिकारक किरणें हैं। इसलिए गर्मी के मौसम में लोगों को हमेशा सलाह दी जाती है कि वो खुद को कवर करके बाहर निकलें और सनस्क्रीन का ज्यादा इस्तेमाल करें। लेकिन इन सबके बावजूद त्वचा पर टैनिंग हो ही जाती है।

इसी वजह से कई बार महिलाएं स्लीवलेस पहनने से भी कतराने लगती हैं। यदि आप भी उन्हीं लोगों में से हैं जो टैनिंग से परेशान हैं, तो यहां हम आपको एक सिंपल सा नुस्खा बताने जा रहे हैं, ताकि आप घर बैठे टैनिंग हटा सकें।

नींबू और एलोवेरा

आसान विधि से टैनिंग हटाना चाहते हैं तो इन दोनों चीजों की मदद ले सकते हैं। ऐसा कहा जाता है कि एलोवेरा जेल और नींबू का मिश्रण त्वचा पर एकदम जादू के जैसा ही असर करता है। खासतौर पर गर्मी के मौसम में तो ये काफी राहत पहुंचाने का काम करता है।

आसान विधि ये टैनिंग हटाने के लिए यदि आप इन दोनों चीजों का पेस्ट बनाना चाहते हैं तो आपको ताजा एलोवेरा जेल, नींबू के रस और ब्रश की जरूरत पड़ेगी। नींबू में नेचुरल ब्लीचिंग एजेंट होते हैं और एलोवेरा त्वचा को ठंडक और पोषण देता है।

अब बारी आती है इसको सही तरह से लगाने की तो चेहरे से लेकर हाथ-पैरों तक में जहां भी टैनिंग है तो पहले उस त्वचा को अच्छी तरह

से साफ कर लें। इसके लिए किसी अच्छे क्लींजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब त्वचा को साफ कर लें तो उसपर ब्रश की मदद से पेस्ट को पूरी तरह से लगाएं।

अब इस पेस्ट को ऐसे ही कम से कम 20 मिनट लगा रहने दें। 20 मिनट के बाद त्वचा को गुनगुने पानी से धो लें। आप हफ्ते में तीन बार इस नुस्खे को अपना सकते हैं, ताकि आपकी त्वचा की टैनिंग पूरी तरह से साफ हो जाए।

पार्टी में चाहती हैं क्लासी लुक तो वियर करें खास मिडी ड्रेसेस

पार्टी में शामिल होने के दौरान आप इस तरह की मिडी ड्रेस स्टाइल कर सकती हैं। यह ड्रेस न्यू लुक पाने के लिये बेस्ट है और इस ड्रेस में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत और स्टाइलिश नजर आएगा। पार्टी में शामिल होने के दौरान महिलाएं स्टाइलिश नजर आना चाहती हैं और इसके लिए वो इस मौके पर ड्रेस स्टाइल करना पसंद करती हैं। वहीं, अगर आप किसी पार्टी में शामिल हो रही हैं और क्लासी लुक चाहती हैं तो, मिडी ड्रेस स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस पार्टी में पहनने के लिए बेस्ट है और इस ड्रेस में आपका लुक सबसे अलग और स्टाइलिश नजर आएगा।

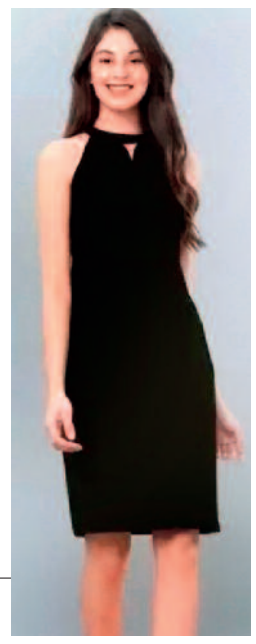

पार्टी वियर मिडी ड्रेसेस

आपको कुछ पार्टी वियर ड्रेस दिखा रहे हैं। जो आप पार्टी में क्लासी और स्टाइलिश लुक पाने के लिए वियर कर सकती हैं। इस ड्रेस में आपका लुक सबसे अलग भी नजर आएगा।

वन पीस मिडी ड्रेस

अगर आप पार्टी में न्यू लुक चाहती हैं तो, आप इस तरह की मिडी ड्रेस स्टाइल कर सकती हैं। यह वन पीस मिडी ड्रेस पार्टी में स्टाइल करने के लिए बेस्ट है और ये राउंड नेक डिजाइन साथ ही, स्लीवलेस है। वहीं इस तरह की ड्रेस आपको आसानी से ऑनलाइन मिल जाएंगी साथ ही, बाजार से भी आप इसे 700 से 800 रुपये की कीमत में ले सकती हैं। इस ड्रेस के साथ हील्स साथ ही,लॉन्ग इयरिंग्स स्टाइल कर सकती हैं।

नेट मिडी ड्रेस

इस तरह की ड्रेस भी न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है और इस ड्रेस में आपका लुक स्टाइलिश और सबसे अलग नजर आएगा। यह ड्रेस नेट में है साथ ही, स्लीवलेस है। इस तरह की ड्रेस wow लुक पाने के लिए बेस्ट है और इसे आप 1,000 रुपये में कई सारे कलर और पैटर्न में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस के साथ आप पर्ल वर्क इयरिंग्स स्टाइल कर सकती हैं और फुटवियर में आप फ्लैट्स पहन सकती हैं।

मॉडर्न आउटफिट्स के साथ इस तरह स्टाइल करें ट्रेडिशनल ज्वैलरी

अमूमन स्टाइलिंग के दौरान आउटफिट के साथ-साथ ज्वैलरी का भी अहम रोल होता है। अक्सर अपने आउटफिट को ध्यान में रखते हुए ज्वैलरी को स्टाइल करना पसंद करती हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर बार आप खुद को एक ही तरह से स्टाइल करें। अगर आप चाहें तो अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंटल हो सकती हैं और हर बार एक न्यू लुक क्रिएट कर सकती हैं। मसलन, अब तक आप साड़ी, लहंगा या सूट के साथ ट्रेडिशनल ज्वैलरी को स्टाइल करती आई होंगी। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसे मॉडर्न आउटफिट के साथ भी आसानी से पेयर कर सकती हैं।

जींस के साथ पहनें झूमके

झूमकों को आपने अब तक अनारकली सूट, साड़ी या लहंगे के साथ ही पेयर किया होगा। लेकिन अगर आप चाहें तो इसे जींस के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं। जी हां, क्लासिक सिल्वर या ऑक्सीडाइज्ड झुमके को एक सिंपल सफेद शर्ट या क्रॉप टॉप और हाई-वेस्टेड जींस के साथ भी पहने जा सकते हैं। ये कंट्रास्ट एकदम शानदार लगता है। अपने लुक को एक परफेक्ट टच देने के लिए आप मैसी बन व हल्की कोहल आइज लुक कैरी करें।

ब्लेजर के साथ पहनें मांग टीका

ब्लेजर के साथ मांग टीका का कॉम्बिनेशन सुनने में आपको शायद अजीब लगे, लेकिन अगर आप मोनोक्रोम पैंटसूट या ब्लेज़र ड्रेस पहन रही हैं, तो एक सिंपल सा कुंदन या मोती वाला मांग टीका आपको एक इंडो-वेस्टर्न लुक देगा। अगर आप हमेशा अपने लुक में एक नयापन चाहती हैं तो आप इस एक्सपेरिमेंट को ट्राई कर सकती हैं।

मांग में सिंदूर भरते समय इन हैक्स का रखें ध्यान, ताकि लुक दिखे सादगी भरा

शादी के बाद से सिंदूर हर सुहानिग महिला के श्रृंगार का सबसे अहम हिस्सा बन जाता है। महिलाएं फिर चाहे कुछ भी मेकअप न करें, लेकिन फिर भी सिंदूर अप्लाई अवश्य करती हैं। इससे उनकी खूबसूरती में भी चार चांद लग जाते हैं। पर, कई बार सिंदूर लगाते समय महिलाएं जाने-अनजाने में कुछ गलतियां कर जाती हैं, जिनकी वजह से उनका लुक बिगड़ जाता है।

सबसे पहले बालों को करें सेट

सिंदूर लगाने के लिए सबसे पहले बालों को सही से सेट अवश्य करें। यदि आप उलझे और बिगड़े हुए बालों में सिंदूर लगाएंगी तो उससे ये बिखर जाएगा। इसलिए पहले जैसी हेयर स्टाइल आपको रखनी है, उसी अंदाज में अपने बालों को सेट कर लें और फिर उसके बाद सिंदूर लगाएं।

स्कैल्प को करें साफ

यदि आपको काफी पसीना आता है तो स्कैल्प को साफ करके ही सिंदू अप्लाई करें। पसीने वाली त्वचा पर यदि आप सिंदूर लगाएंगी तो इससे ये चिपकने लगेगा। इसलिए पहले टिश्यू से मांग को पूरी तरह साफ करें और फिर सिंदूर लगाएं।

ब्रश का इस्तेमाल करें

सिंदूर लगाते समय उंगली की जगह यदि आप ब्रश का इस्तेमाल करेंगी तो इससे ये फैलेगा नहीं। इसलिए इसे उंगली से लगाने की जगह ब्रश का स्टिक की मदद से अप्लाई करें। ब्रश से सिंदूर ज्यादा भी नहीं लगेगा।

कार्नर न्यूज

मौसम के अनुरूप होना चाहिए आपका फैब्रिक

गर्मी के मौसम में भूल से भी न पहनें इन फैब्रिक के कपड़े, वरना त्वचा पर होगा गलत असर

गर्मी के मौसम में सही कपड़ों का चयन करना बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि गर्मी के मौसम में आपको किन फैब्रिक के कपड़े कैरी नहीं करने चाहिए। गर्मी के मौसम में जिस तरह से खान-पान का अच्छा ध्यान रखना चाहिए, ठीक उसी तरह से ही पहनावे पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि आप इस मौसम में गलत कपड़े पहनेंगे तो आपकी त्वचा पर घमौरियों जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन अगर आप सही फैब्रिक के कपड़े पहनेंगे तो पसीने और गर्मी से होने वाली दिक्कतें आपके दूर रहेंगी।

यहां हम आपको उन फैब्रिक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें गर्मी के मौसम में भूल से भी कैरी नहीं करना चाहिए, ताकि बच्चे से लेकर बड़े तक गर्मी में बिना किसी परेशानी के रह सकें।

पॉलिएस्टर: ये एक ऐसा एक सिंथेटिक फैब्रिक होता है, जिसे बनाने में कई प्रकार के सिंथेटिक चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। यदि आप इसे कैरी करेंगे तो इसकी वजह से आपके चेहरे पर चिपचिपाहट की वजह से घमौरियां हो सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पॉलिएस्टर फैब्रिक के कपड़े हवा को शरीर तक पहुंचने नहीं देते हैं।

नायलॉन : बात करें नायलॉन फैब्रिक की तो ये फैब्रिक की तो ये फैब्रिक भी पसीना रोकता है और हवा का संचार नहीं होने देता। इसे पहनने से शरीर में गर्मी फंस जाती है, जो रैशेज और खुजली को बढ़ावा देती है। कई बार तो खुजली इतनी बढ़ जाती है कि डॉक्टर तक के पास जाना पड़ जाता है।

रेयान : ये कपड़ा भले ही देखने में काफी हल्का होता है, लेकिन ये भी हवा को आस-पास नहीं होने देता। जिस वजह से स्किन से

संबंधी परेशानियां जन्म लेने लगती हैं। ये फैब्रिक सिंथेटिक होता है, जिस वजह से गर्मी में यह भी घमौरियों की वजह बन सकता है।

लेदर : गर्मी से मौसम में कभी भी भूलकर लेदर के कपड़े तो न ही पहनें। ये आपकी शरीर में कई परेशानियां पैदा कर देंगे। इसकी वजह से आपकी त्वचा पर खुजली की समस्या पैदा हो सकती है। लेदर की वजह से घमौरियां होना तो बेहद ही आम बात है।

तो क्या पहनें ?: गर्मी के मौसम में क्या पहनना सही रहता है, यहां हम आपको इस बारे में भी बताएंगे। दरअसल, इस मौसम में आपको लिनेन फैब्रिक के कपड़े, सूती कपड़े, खादी के कपड़े, शिफॉन के कपड़े कैरी किए जा सकते हैं। ये चारों फैब्रिक त्वचा को काफी आराम पहुंचाते हैं।